जिला सामाजिक आर्थिक पुनरीक्षण

जिला कुरुक्षेत्र

2009-2010

जिला सांख्यिकीय कार्यालय

कुरूक्षेत्र

आमुख

इस प्रकाशन का उद्धेश्य जिला कुरुक्षेत्र में पिछले एक वर्ष में हुऐ सामाजिक एवं आर्थिक तथा अन्य विकास कार्यो बारे जानकारी उपलब्ध कराना है । इस में जिला से सम्बंधित विभिन्न विषयों विशेषकर क्षेत्रफल, जनसंख्या, कृषि, सिंचाई, वन, पशुपालन, विद्युत, उद्योग, सडक तथा परिवहन, संचार, श्रम तथा रोजगार, सहकारिता, बैंक, शिक्षा, चिकित्सा, समाज कल्याण इत्यादि के अतिरिक्त बहुत से विविध विषयों पर सूचना के साथ साथ **जनगणना 2001 अनुसार जनसंख्या की सूचना** उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है । इस प्रकाशन में जनगणना विभाग द्वारा जारी जिला में कर्मियों, गैर कर्मियों की सूचना ग्रामीण व नगरीय क्षेत्र अनुसार भी दर्शाई गई है । इस के अतिरिक्त कुछ विभागों की स्कीमों में बदलाव के कारण सूचना में भी परिर्वतन किया गया है।

यह प्रकाशन विभिन्न विभागो, अनुसंधान संस्थाओं और उन संस्थाओं एंव व्यक्तियों के लिये उपयोगी सिद्ध होगा जिनकी जिला कुरुक्षेत्र की सामाजिक व आर्थिक समस्याओं तथा उनसे जुडे अन्य पहलुओं में रुचि है ।

मैं जिला कुरुक्षेत्र के विभिन्न कार्यालय अध्यक्षों, जिन्होंने इस प्रकाशन के लिए सूचना उपलब्ध कराने में सहयोग दिया, के लिए आभारी हूं । उन के सहयोग के बिना इस प्रकाशन को जारी कर पाना सम्भव नहीं था ।

अन्त में मैं श्री जगबीर सिहं, सहायक जिला सांख्यिकीय अधिकारी, जिला सांख्यिकीय कार्यालय कुरुक्षेत्र, का इस प्रकाशन को समय पर प्रकाशित करने के लिए आभार प्रकट करती हूं ।

कु0 लक्की अरोड़ा
जिला सांख्यिकीय अधिकारी,
कुरुक्षेत्र

तिथि:-05.08.2011

जिला सामाजिक आर्थिक पुनरीक्षण -जिला कुरुक्षेत्र

विषय सूची

क्रमांक	*विषय*	*पृष्ठ संख्या*
	परिशिष्ठ-1 सामाजिक आर्थिक पुनरीक्षण -जिला कुरुक्षेत्र 1-3 **परिशिष्ठ-2 स्थिति तथा भौतिक विशेषताए**	
1.	**स्थिति तथा भौतिक विशेषताए** स्थिति क्षेत्रफल तथा प्रशासनिक ढांचा भौतिक विशेषताए खनिज सम्पदा नदियां जलवायु तथा वर्षा मिट्टी भू-जल विज्ञान	4-5
2.	**जनसंख्या** जनगणना के आकंड़े घनत्व ग्रामीण व शहरी जनसंख्या खण्ड अनुसार जनसंख्या 0-6 आयु वर्ग की जनसंख्या मलिन बस्तियों की जनसंख्या लिंगानुपात 0-6 आयु वर्ग के बच्चों में लिगांनुपात मलिन बस्तियों में लिगांनुपात साक्षरता- ग्रामीण व शहरी मलिन बस्तियों में साक्षरता कर्मी - गैरकर्मी ग्रामीण कर्मी - गैरकर्मी नगरीय कर्मी - गैरकर्मी चार मुख्य श्रेणियों में कर्मियों का वर्गीकरण	6-15
3.	**वन** वनों के अधीन क्षेत्रफल	16
4.	**कृषि** भूमि का प्रयोग कृषि जोतें	16-19

क्रमांक	विषय	पृष्ठ संख्या
	मुख्य फसलों का उत्पादन अधिक उपजाऊ किस्में रासायनिक खाद का वितरण पौधों की सुरक्षा के उपाय कृषि यन्त्र तथा उपकरण कृषि उपज बिक्री संग्रहण समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम भूमि विकास कार्यक्रम	
5.	**सिंचाई** .सिंचाई के साधन फसल अनुसार सिंचित क्षेत्र सिंचाई की सघनता नलकूप/पम्पिंग सैट बाढ़	20-21
6.	**पशुपालन तथा डेरी** पशुधन पशु चिकित्सालय सेवायें डेरी 'दुग्ध उत्पादन'	21-22
7.	**मछली पालन**	22
8.	**विद्युत** विद्युतीकरण 'शहरी/गांव' नलकूप विभिन्न परियोजनाओं में विद्युत का उपयोग	22
9.	**खनिज पदार्थ तथा उद्योग** 23 खनिज उत्पादन लघु उद्योग यूनिट बड़े तथा मध्यम स्तरीय उद्योग यूनिट	
10.	**सड़क तथा परिवहन** सड़कों की लम्बाई रेलवे स्टेशन एवं हरियाणा परिवहन बस स्टैण्ड की संख्या राज्य परिवहन सडक दुर्घटनायें	23-24

क्रमांक	विषय	पृष्ठ संख्या
11.	**संचार** डाकघर व तार घर दूरभाष केन्द्र	24
12.	**श्रम तथा रोजगार** 24-25 औद्योगिक झगड़े रोजगार केन्द्र मजदूरी की औसत दैनिक आय	
13.	**सहकारिता** 25-26	
14.	**बैंक**	26
15.	**शिक्षा** विद्यालय तथा महाविद्यालय अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम इन्जिनियरिंग कालेज कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय	27-29
16.	**चिकित्सा तथा जन स्वास्थ्य** 29 स्वास्थ्य सेवाएं परिवार कल्याण प्रोग्राम सुरक्षित पेयजल	
17.	**कल्याण विभाग 'अनुसूचित जातियाँ व पिछड़े वर्ग'** 30-31 वृद्धावस्था एंव अन्य पैशन्	
18	**विविध** नगरपालिकाएं जिला राजस्व रजिस्ट्रीकरण पुलिस तथा अपराध हरियाणा सरकार के कर्मचारी मनोरंजन टेलिविजन सैट बचत विकेन्द्रीकरण योजना खेलकूद राष्ट्रीय खेल प्राधिकरण प्रशिक्षण केन्द्र चुनाव तथा मतदाता	31-34

	विषय	*पृष्ठ संख्या*
अनुलगनक–1	**अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थय केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थय केन्द्र एंव उप केन्द्र**	35–37
अनुलगनक–2	**पुलिस स्टेशन और पुलिस चौकियों की सूची**	38
अनुलगनक–3	**पशु चिकित्सा अस्पताल एंव डिस्पैन्सरियों की सूची**	39–40
अनुलगनक–4	**तकनीकी एंव प्रबन्धन महाविद्यालयों की सूची**	41
	परिशिष्ठ–3 जिला एक दृष्टि में	42–43
	परिशिष्ठ–4 जिला के आधार भूत आंकडे	44–48

परिशिष्ठ-1

जिला सामाजिक आर्थिक पुनरीक्षण-जिला कुरुक्षेत्र

2009-2010

कुरुक्षेत्र एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक तथा धार्मिक स्थान है। कुरुक्षेत्र के पौराणिक महत्व को देखते हुए हरियाणा सरकार ने 23 जनवरी 1973 को पुराने जिले करनाल को विभाजित करके कुरुक्षेत्र को हरियाणा राज्य के 10वें जिले के रूप में स्थापित किया। 1 नवम्बर, 1989 को जिला कुरुक्षेत्र को भी विभाजित कर जिला कैथल अलग कर दिया गया, जिससे इसका क्षेत्रफल राजस्व रिकार्ड के अनुसार 3740 वर्ग किलोमीटर से घटकर 1598.94 वर्ग किलोमीटर रह गया। जबकि भारतीय सर्वेक्षण विभाग के अनुसार जिले का भौगोलिक क्षेत्रफल 1217 वर्ग किलोमीटर था।

1. वर्ष 1992 में जिला यमुनानगर, करनाल एवं कैथल से कुछ गांव जिला कुरुक्षेत्र में सम्मिलित कर दिए जाने के कारण जनगणना 2001 के आधार पर जिला कुरुक्षेत्र में इस समय कुल 416 गांव हैं जो 5 सामुदायिक विकास खण्डों में विभाजित है। इस समय जिला मे 2 उपमण्डल व 3 तहसीले है। जिले का क्षेत्रफल राजस्व रिकार्ड के अनुसार 1682.53 वर्ग किलोमीटर तथा भारतीय सर्वेक्षण विभाग के अनुसार जिले का क्षेत्रफल 1530 वर्ग कि0 मी0 है जो राज्य का 3.46 प्रतिशत है। 2001 की जनगणना के अन्तिम आकडों के आधार पर जिले की जनसंख्या 825454 हो गई है। इस में 442328 पुरुष व 383126 स्त्रियां हैं। जिले का लिगांनुपात 866 है तथा साक्षरता दर 69.88 प्रतिशत है।

2. जिला कुरुक्षेत्र की जलवायु निश्चितता लिये हुए है अर्थात यहां पर गर्मियों में अधिक गर्मी तथा सर्दियों में अत्याधिक सर्दी होती है। गर्मियों में यहां का तापमान अधिकतम 45 डिग्री सैं0 तक पहुंच जाता है तथा सर्दियों में 3 डिग्री सैं0 तक गिर जाता है। जिला कुरुक्षेत्र में 2004-2008 के दौरान पांच वर्षीय औसत सामान्य वर्षा 355.50 मि0मी0 रिकार्ड की गई जबकि वर्ष 2008 के दौरान वार्षिक औसत वर्षा 366.00 मि0मी0 रिकार्ड की गई।

3. वर्ष 2008-09 में गांव के प्रपत्रों के अनुसार जिले का कुल क्षेत्रफल 168 हजार हैक्टेयर है। वर्ष 2008-09 में कृषि योग्य भूमि का क्षेत्रफल 151 हजार हैक्टेयर है जो कुल क्षेत्रफल का 89.88 प्रतिशत है। निवल बोया गया क्षेत्र 150 हजार है0 है, जो कृषि योग्य भूमि का 99.34 प्रतिशत है। एक बार से अधिक बोया गया क्षेत्र 124 हजार है0 है, जो निवल बोये गये क्षेत्र का 82.67 प्रतिशत है। इस प्रकार 2008-09 में कुल बोया गया क्षेत्र 274 हजार हैक्टेयर है। कुल बोये गये क्षेत्र में से खाद्यान्नों के अन्तर्गत 86.42 प्रतिशत, दालों के अधीन 0.29 प्रतिशत, नकदी फसलों गन्ना, तेल बीज, कपास तथा आलू के अधीन 8.39 प्रतिशत क्षेत्र है। धान के अधीन 44.34 प्रतिशत क्षेत्र है जो सबसे अधिक है। इसके पश्चात गेहूं का स्थान आता है जो 42.00 प्रतिशत है।

4. जिले में सात मण्डियां तथा 13 सबयार्ड हैं, इन मण्डियों में मुख्य आमदन गेहूं, जीरी तथा आलू की है। जिले में अनाज संग्रहण करने के लिये गोदाम काफी संख्या में उपलब्ध हैं।

5. वर्ष 2008-09 में नलकूप तथा पम्पिग सैट जिले में सिंचाई के मुख्य साधन रहे, जिनसे निविल सिंचित क्षेत्र का 82 प्रतिशत क्षेत्र सिंचित किया गया, शेष 18 प्रतिशत नहरों द्वारा सिंचित किया गया। वर्ष 2009-10 में नलकूप तथा पम्पिग सैट की संख्या 38311 रही। सिंचाई की क्षमता का मुख्य भाग गेहूँ तथा धान की फसलों में प्रयोग किया जाता है।

6. जिला कुरुक्षेत्र के सभी गांवों का विद्युतिकरण हो चुका है तथा लगभग सभी गांव भी पक्की सड़कों से जुड़े हुए हैं।

7. सहायक रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां कुरुक्षेत्र के अनुसार वर्ष 2009-10 में जिले में सभी प्रकार की 873 सहकारी समितियां है, जिनकी सदस्यता 496769 है जिसके अनुसार प्रति लाख व्यक्तियों के पीछे 106 समितियां कार्यरत हैं।

8. जिला कुरुक्षेत्र में चिकित्सा सेवायें विभिन्न संस्थाओं जैसे कि राज्य सरकार, स्थानीय निकाय तथा एच्छिक संस्थाओं द्वारा प्रदान की जाती है। जिले में एक हस्पताल, 4 डिस्पैंसरियां, 107 सबसैन्टर, एक क्षय रोग केन्द्र तथा 21 प्राथमिक चिकित्सा केन्द्रों और 4 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों द्वारा चिकित्सा सेवायें प्रदान की गई । वर्ष 2009-10 में जिले में 3 परिवार कल्याण केन्द्र थे । जिनमें नलबन्दी तथा नसबन्दी के 2667 केसिज किये गये। उपरोक्त के अतिरिक्त जिला कुरुक्षेत्र में एक आर्युवैदिक चिकित्सा पद्यति का अस्पताल भी है जिसमें अन्तरंग तथा बाहय् रोगी चिकित्सा की सुविधा है।

9. वर्ष 2008-09 में जिला कुरुक्षेत्र में 561 प्राथमिक, 'पूर्व प्राथमिक बालबाडी सहित', 192 माध्यमिक तथा 201 उच्च व वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हैं। जिनमें 36 प्राथमिक, 4 माध्यमिक तथा 13 उच्च व वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय केवल महिलाओं के लिए हैं। इन विद्यालयों में 195150 विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान की गई। इन में से 43471 विद्यार्थी अनुसूचित जाति के थे। उपरोक्त स्कूलों में 4772 अध्यापक कार्यरत रहें। जिले में प्राथमिक स्तर पर 55 विद्यार्थी प्रति अध्यापक, माध्यमिक स्तर पर 34 विद्यार्थी प्रति अध्यापक, उच्च स्तर पर 40 तथा वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर 33 विद्यार्थी प्रति अध्यापक अनुपात रहा।

10. इसके अतिरिक्त वर्ष 2009-10 में जिला कुरुक्षेत्र में 9 कला तथा विज्ञान महाविद्यालय कार्यरत हैं जिनमें कुल 11991 विद्यार्थी डिग्री स्तर की शिक्षा प्राप्त कर रहें हैं जिनमें 1739 विद्यार्थी अनुसूचित जाति के हैं।

11\. जिला में विश्वविद्यालय होने के कारण यह जिला अन्य जिलों की अपेक्षा शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणीय है। जिला कुरुक्षेत्र में 11 इंजिनियरिंग एव्म प्रबन्धन महाविद्यालय, एक आयुर्वैदिक चिकित्सा, 21 शिक्षा प्रशिक्षण महाविद्यालय, एक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान तथा 5 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान भी विभिन्न पाठयक्रमों में शिक्षा प्रदान कर रहें हैं।

परिशिष्ठ-2

स्थिति तथा भौतिक विशेषतायें

1. स्थिति

जिला कुरुक्षेत्र हरियाणा के उत्तर पूर्व में 29 डिग्री 51'से 30 डिग्री 14' अक्षांश तथा 76 डिग्री 30' से 77 डिग्री 11' रेखांश के मध्य मे स्थित हैं। इसके उत्तर दिशा में अम्बाला,दक्षिण में करनाल,पूर्व में यमुनानगर और पश्चिम में जिला कैथल की सीमा पड़ती है।

2. क्षेत्रफल तथा प्रशासनिक ढांचा

जिला कुरुक्षेत्र का 2001 के राजस्व रिकार्ड के अनुसार कुल क्षेत्रफल 1682.53 वर्ग कि0मी0 है जबकि भारतीय सर्वेक्षण विभाग के अनुसार जिले का भौगोलिक क्षेत्रफल 1530 वर्ग कि0मी0 है, जो राज्य के क्षेत्रफल का 3.46 प्रतिशत है। जिले में थानेसर, पेहोवा तथा शाहबाद तीन तहसीलें हैं जो दो उपमण्डलों अर्थात् थानेसर तथा पेहोवा के अन्तर्गत आती हैं। जिले का प्रशासनिक मुख्य कार्यालय कुरुक्षेत्र में अम्बाला देहली राष्ट्रीय मार्ग न0-1 पर स्थित है।

3. जिला कुरुक्षेत्र में 416 गांव है। यह सभी गांव 5 सामुदायिक विकास खण्डों के अधीन आते है। तहसील थानेसर के अन्तर्गत थानेसर, लाडवा व बबैन, पेहोवा तहसील में पेहोवा खण्ड तथा तहसील शाहबाद के अन्तर्गत शाहबाद खण्ड आता है। ज़िला कुरुक्षेत्र में 4 नगर तथा 378 ग्राम पंचायते हैं। पंचायतो की कुल सदस्य संख्या 3521 (3143 पंच तथा 378 सरपंच) है । जिला कुरुक्षेत्र में 7 मार्किट कमेटियां हैं जिनमें 4 मार्किट कमेटियां तहसील थानेसर में, दो पेहोवा तहसील में, तथा एक शाहबाद तहसील में है। इसके अतिरिक्त 13 सबयार्ड भी हैं ।

4. भौतिक विशेषताये

जिला कुरुक्षेत्र का भू-स्थल चपटाकार है तथा समुद्र तल से 252 मी0 उंचा है। भूमि का बहाव मुख्यत: उत्तर पूर्व से दक्षिण पश्चिम की ओर है। थानेसर नगर में ब्रह्म-सरोवर, ज्योतिसर, बाण गंगा इत्यादि धार्मिक स्थल हैं।

5. खनिज सम्पदा

जिला कुरुक्षेत्र खनिज सम्पदा के सन्दर्भ में अधिक सक्षम नहीं है क्योकि यहां कोई महत्वपूर्ण खनिज उपलब्ध नहीं है।

6. नदियां

जिला कुरुक्षेत्र में मारकण्डा महत्वपूर्ण बरसाती नदी है जो उत्तर दिशा में शिवालिक पहाडियों से निकलकर अम्बाला जिला में से बहती हुई जिले के उत्तर पश्चिम से गुजरती है।

बरसात के मौसम में मारकण्डा भयंकर रूप धारण करके जिले के कुछ भागों में बाढ का मुख्य कारण बनता है।

7. जलवायु तथा वर्षा

जिला कुरुक्षेत्र का मौसम गर्मियों में अधिक गर्म तथा सर्दियों में अधिक ठण्डा रहता है। मई तथा जून के महीनों में सबसे अधिक गर्मी होती है इन दिनों में तापमान 43 डिग्री सै0ग्रे0 से 45 डिग्री सै0ग्रे0 तक होता हैं। दिसम्बर से फरवरी तक बहुत ठण्ड पड़ती है। इस दौरान तापमान 3 डिग्री सै0ग्रे0 तक गिर जाता है । वर्ष 2004 से 2008 तक 5 वर्षो की औसत मासिक सामान्य वर्षा 355.50 मि0मी0 रही जबकि वर्ष 2008 में वार्षिक औसत वर्षा 366.00 मि0मी0 रिकार्ड की गई।

8. मिट्टी

जिला कुरुक्षेत्र को मिट्टी की प्रकार से दो हिस्सो में बांटा जा सकता है खादर तथा बांगर। खादर मिट्टी जी0टी0 रोड तथा यमुना नदी के बीच वाले क्षेत्र में पाई जाती है, जिसमें जिले के शाहबाद, लाडवा तथा बबैन खण्ड आते हैं तथा बांगर क्षेत्र जिले के मध्य दक्षिण व पश्चिम क्षेत्र में पाया जाता है, इसके अन्तर्गत जिले का थानेसर तथा पेहोवा खण्ड आता है।

9. क) भू-जल विज्ञान

जिले में औसत भू-जल स्तर 29.66 मी0 है जो कम से कम पेहोवा तथा अधिक से अधिक शाहबाद में पाया जाता है । जिले के अधिकांश क्षेत्र में भू-जल स्तर की गहराई 26-35 मी0 के मध्य है। जिले में पिछले 10 वर्षो अर्थात 2000 से 2009 के बीच भू-जल आंकड़ों के आधार पर जल-स्तर में औसतन 12.84 मी0 की गिरावट आई है । यह गिरावट खण्ड लाडवा में कम परन्तु खण्ड शाहबाद में अधिक है।

ख) भू-जल संसाधन

जिले में औसत भू-जल संसाधन का अत्याधिक विकास हो रहा है। थानेसर, लाडवा, बबैन, पेहोवा तथा शाहबाद सभी खण्डों में विकास 85 प्रतिशत से अधिक हुआ तथा ये खण्ड डार्क श्रेणी में आते है। इस श्रेणी में भू-जल संसाधन के और अधिक विकास की संभावना नहीं है ।

जनसंख्या

जनगणना 2001 के आंकड़ों के आधार पर

10. जनगणना के आंकड़े

जिला कुरुक्षेत्र की जनसंख्या जनगणना 2001 के आंकड़ों के आधार पर 825454 है जिसमें 442328 पुरुष व 383126 स्त्रियां है। जबकि 2001 की सीमा अनुसार 1991 की जनगणना के आधार पर जिले की जनसंख्या 669346 थी जिसमें 356181 पुरुष व 313165 स्त्रियां थी । 1991-2001 की अवधि में जिले की जनसखया में 23.32 प्रतिशत दशकीय वृद्धि हुई है । जबकि 1981-91 दशकीय वृद्धि दर 23.4 थी ।हरियाणा राज्य की दशकीय वृद्धि दर में भी बढौतरी हुई है। यह दर 1981-91 में 27.4 प्रतिशत से बढ कर 1991-2001 में 28.43 प्रतिशत हो गई है।

तालिका:- जिले की जनसंख्या (2001 जनगणना)

	कुल जनसंख्या	पुरुष	स्त्रियां
ग्रामीण	609943	325726	284217
शहरी	215511	116602	98909
कुल जनसख्ंया	825454	442328	383126

11. घनत्व

भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा दिए गए भौगोलिक क्षेत्र के आंकड़ों के अनुसार जिले का क्षेत्रफल 1530 वर्ग कि0मी0 है जो राज्य के क्षेत्रफल का 3.46 प्रतिशत है। जनगणना 2001 के आधार पर राज्य की 3.90 प्रतिशत जनसंख्या यहां रहती है। वर्ष 2000-2001 में जनगणना 2001 के आधार पर जिले का घनत्व 540 व्यक्ति प्रति वर्ग कि0मी0 है। 1991 की जनगणना अनुसार जिले का घनत्व 437 व्यक्ति प्रति वर्ग कि0मी0 था। हरियाणा राज्य का घनत्व 1991 में 372 व्यक्ति प्रति वर्ग कि0मी0 तथा 2001 में 478 व्यक्ति प्रति वर्ग कि0मी0 हो गया है ।

12. ग्रामीण व शहरी जनसंख्या

जनगणना 2001 के अन्तिम आंकड़ों के अनुसार जिला की लगभग 73.89 प्रतिशत जनसंख्या अर्थात् 609943 ग्रामीण क्षेत्र में रहती है। जिसमें 325726 पुरुष तथा 284217 स्त्रियां है। जिला की शहरी जनसंख्या 215511 जो कुल जनसंख्या का 26.11 प्रतिशत है जिसमें 116602 पुरुष तथा 98909 स्त्रियां है। ग्रामीण क्षेत्र में तहसील शाहबाद की 150967 संख्या में 80401 पुरुष व 70566 स्त्रियां, पेहोवा की 187673 जनसंख्या में 99916 पुरुष व 87757 स्त्रियां, थानेसर की 486814 जनसंख्या में 262011 पुरुष व 224803 स्त्रियां, शहरी क्षेत्र में नगर शाहबाद की 37289 जनसंख्या में 19780 पुरुष व 17509 स्त्रियां, पेहोवा की 33564 जनसंख्या में 17912 पुरुष व 15652 स्त्रियां, थानेसर की 122319 जनसंख्या में 66978 पुरुष

व 55341 स्त्रियां, तथा लाडवा की 22339 जनसंख्या में 11932 पुरुष व 10407 स्त्रियां है ।

तालिकाः- जिले की जनसंख्या (2001 जनगणना)

	ग्रामीण जनसंख्या			शहरी जनसंख्या		
तहसील/नगर	कुल व्यक्ति	पुरुष	स्त्रियां	कुल व्यक्ति	पुरुष	स्त्रियां
थानेसर	342156	183101	159055	122319	66978	55341
शाहबाद	113678	60621	53057	37289	19780	17509
पेहोवा	154109	82004	72105	33564	17912	15652
लाडवा	-	-	-	22339	11932	10407
कुल	609943	325726	284217	215511	116602	98909

जिला की ग्रामीण जनसंख्या 2001 में 609943 है। जो 1991 में 515212 थी। इस तरह ग्रामीण जनसंख्या में 18.39 प्रतिशत दशकीय वृद्धि हुई । जिला की शहरी जनसंख्या 1991 में 154134 से बढ़ कर 2001 में 215511 हो गई है । अतः शहरी जनसंख्या में 39.82 प्रतिशत दशकीय वृद्धि हुई । जिला के चार नगरों में थानेसर नगर की जनसंख्या एक लाख से अधिक होने के कारण श्रेणी-1 तथा शाहबाद, पेहोवा व लाडवा श्रेणी-3 के नगर हैं ।

13. खण्ड अनुसार जनसंख्या

खण्ड अनुसार जिले की जनसंख्या वर्ष 2001 जनगणना अनुसार निम्नप्रकार से है ।

तालिकाः- खण्ड अनुसार जनसंख्या (ग्रामीण जनसंख्या)

खण्ड	कुल व्यक्ति	पुरूष	स्त्रियां
थानेसर	176555	94339	82216
लाडवा	80222	43045	37177
शाहबाद	151801	81081	70720
पेहोवा	144576	76907	67669
बबैन	56789	30354	26435
कुल	609943	325726	284217

14. 0-6 आयु वर्ग की जनसंख्या

जनगणना 1991 में जिला कुरुक्षेत्र की 0-6 आयु वर्ग के बच्चों की संख्या कुल जनसंख्या का 17.75 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2001 में 14.20 प्रतिशत रह गई है । जनगणना 2001 में 0-6 आयु वर्ग के बच्चों की संख्या 117255 है । जबकि 1991 में राज्य की 0-6 आयु वर्ग के बच्चों की संख्या कुल जनसंख्या का 18.98 प्रतिशत से घट कर जनगणना 2001 में 15.77 प्रतिशत रह गई है ।

जिला के ग्रामीण क्षेत्र में 0-6 आयु वर्ग के बच्चों की जनसंख्या 90595 है जो कुल ग्रामीण जनसंख्या का 14.85 प्रतिशत है तथा शहरी क्षेत्र में यह संख्या 26660 है जो जिला की कुल शहरी जनसंख्या का 12.37 प्रतिशत है।

15. मलिन बस्तियों की जनसंख्या

जिला के थानेसर नगर की 50400 '41.07' प्रतिशत जनसंख्या मलिन बस्तियों में रहती है। इस में 27376 पुरुष तथा 23024 स्त्रियां हैं। 0-6 आयु वर्ग में बच्चों की 6791 जनसंख्या में 3812 पुरुष 2979 स्त्रियां हैं।

16. लिंगानुपात

जिला कुरुक्षेत्र में जनगणना 2001 के अनुसार प्रति हजार पुरुषों पर 866 महिलाओं का अनुपात है जो 1991 में 879 था । इससे स्पष्ट है कि स्त्री पुरुष अनुपात में 1991 की तुलना में 2001 में गिरावट आई है । हरियाणा राज्य में यह अनुपात 861 है जो सभी राज्यों में सब से कम स्तर पर पंहुच गया है ।

जिला कुरुक्षेत्र में ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रो में यह अनुपात क्रमशः 873 तथा 848 है। जो 1991 में क्रमशः 883 व 867 था । ग्रामीण क्षेत्र में स्त्री पुरुष अनुपात तहसील शाहबाद, पेहोवा तथा थानेसर में क्रमशः 878, 878 व 858 तथा शहरी क्षेत्र के 4 नगरों शाहबाद, पेहोवा, थानेसर व लाडवा में क्रमशः 885, 874, 826 तथा 872 है।

17. 0-6 आयु वर्ग के बच्चों में लिगांनुपात

जिला का 0-6 आयु वर्ग के बच्चों का लिगांनुपात 771 है। ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्र में यह अनुपात क्रमशः 773 तथा 766 है । ग्रामीण क्षेत्र में तीन तहसीलों शाहबाद, पेहोवा तथा थानेसर में क्रमशः 742, 785 व 774 तथा शहरी क्षेत्र के 4 नगरों शाहबाद, पेहोवा, थानेसर व लाडवा में क्रमशः 730, 771, 769, 798 है।

हरियाणा राज्य में स्त्री पुरुष अनुपात 819 है। ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रो में क्रमशः 823 व 808 है।जिला के शाहबाद नगर का लिगांनुपात 730 है जो प्रदेश में सबसे कम है तथा शाहबाद तहसील का लिगांनुपात 742 है जो राज्य की 67 तहसीलों में सब से कम है ।

18. मलिन बस्तियों में लिंगानुपात

जिला कुरुक्षेत्र के थानेसर नगर की 41.07 प्रतिशत जनसंख्या मलिन बस्तियों में रहती है। इन बस्तियों में रहने वाली जनसंख्या में स्त्री पुरुष अनुपात 841 है । मलिन बस्तियों की 0-6 आयु वर्ग की जनसंख्या में स्त्री पुरुष अनुपात 781 है ।

19. साक्षरता

जनगणना 2001 में जिला कुरुक्षेत्र में 494873 व्यक्ति साक्षर है जिसमें 293615 पुरुष तथा 201258 स्त्रियां हैं। जनगणना 2001 में जिला में 69.88 प्रतिशत की साक्षरता दर दर्ज

की गई।जिला में पुरुष साक्षरता दर 78.06 स्त्री साक्षरता दर 60.61 की तुलना में अधिक रही। जबकि 1991 की जनगणना अनुसार जिला में 58.44 प्रतिशत व्यक्ति साक्षर थे। पुरुष साक्षरता दर 68.92 प्रतिशत तथा स्त्री साक्षरता दर 46.56 प्रतिशत थी।जनगणना 2001 के अनुसार राज्य की साक्षरता दर 67.91 प्रतिशत है।पुरुष तथा स्त्री साक्षरता दर क्रमशः 78.49 तथा 55.73 है।

20. साक्षरता ग्रामीण व शहरी

2001 की जनगणना अनुसार जिला में ग्रामीण क्षेत्र में 65.88 प्रतिशत व्यक्ति साक्षर है ।जिनमें 75.01 प्रतिशत पुरुष तथा 55.64 प्रतिशत स्त्रियां साक्षर हैं । शहरी क्षेत्र में 80.86 प्रतिशत व्यक्ति साक्षर है जिनमें 86.32 प्रतिशत पुरुष तथा 74.51 प्रतिशत स्त्रियां साक्षर हैं । जबकि 1991 की जनगणना अनुसार ग्रामीण व शहरी स्तर पर साक्षरता दर क्रमशः 52.98 तथा 76.22 प्रतिशत थी।

तालिकाः- जिले की साक्षरता दर (2001 जनगणना)

	ग्रामीण			शहरी		
तहसील/ शहर	कुल	पुरुष	स्त्रियां	कुल	पुरुष	स्त्रियां
थानेसर	67.10	76.39	56.61	81.18	86.53	74.76
शाहबाद	69.69	78.47	59.93	81.35	86.40	75.78
पेहोवा	60.34	69.36	50.29	79.23	85.05	72.70
लाडवा	-	-	-	80.72	86.87	73.77
कुल	65.88	75.01	55.64	80.86	86.32	74.51

ग्रामीण साक्षरता की दृष्टि में तहसील शाहबाद, पेहोवा तथा थानेसर में साक्षरता दर 69.69, 60.34, 67.10 प्रतिशत है।उक्त तहसीलों में पुरुष साक्षरता दर क्रमशः 78.47, 69.36 व 76.39 तथा स्त्री साक्षरता दर क्रमशः 59.93, 50.29 तथा 56.61 प्रतिशत है ।शहरी साक्षरता दर में जिला के 4 नगरों शाहबाद, पेहोवा, थानेसर तथा लाडवा में साक्षरता दर क्रमशः 81.35, 79.23, 81.18 तथा 80.72 प्रतिशत है। उक्त नगरो में पुरुष साक्षरता दर क्रमशः 86.40, 85.05, 86.53 व 86.87 तथा स्त्री साक्षरता दर क्रमशः 75.78, 72.70 74.76 तथा 73.77 प्रतिशत है ।

21. मलिन बस्तियों में साक्षरता

जिला कुरुक्षेत्र की थानेसर नगर परिषद की मलिन बस्तियों की कुल जनसंख्या 50400 में 31476 व्यक्ति साक्षर हैं। जिनमें 18593 पुरुष तथा 12883 स्त्रियां साक्षर हैं। इन बस्तियों में साक्षरता दर 72.18 प्रतिशत दर्ज की गई । जिस में पुरुष साक्षरता दर 78.90 तथा स्त्री साक्षरता दर 64.27 हैं ।

22. कर्मी

जनगणना में कर्मी उस व्यक्ति को कहा गया है जिसने सन्दर्भ अवधि में कोई भी ऐसा शारीरिक, मानसिक कार्यकलाप किया हो जो आर्थिक रूप से उत्पादक रहा हो । यह काम वेतन, मुआवजे या लाभ के लिए या इन के बिना भी हो सकता है ।

जनगणना 2001 के अनुसार जिला में कुल कर्मियों की संख्या 308392 है । जिसमें 226410 पुरूष तथा 81982 स्त्री कर्मी है । 1991 की जनगणना के अनुसार जिला में कुल 191462 कर्मी थे जिसमें 178980 पुरूष तथा 12482 स्त्री कर्मी थे।अतः कुल कार्य सहभागिता दर 1991 की 28.60 प्रतिशत से बढ़ कर 2001 में 37.36 प्रतिशत हो गई है । पुरूष कार्य सहभागिता दर 1991 की 50.25 प्रतिशत की तुलना में 2001 में 51.18 प्रतिशत तथा स्त्री कार्य सहभागिता दर 1991 की 3.99 प्रतिशत की तुलना में 2001 में बढ़ कर 21.39 प्रतिशत हो गई है ।

23. दीर्घकालिक कर्मी

दीर्घकालिक कर्मी वे हैं जिन्होंने वर्ष में 6माह या उससे अधिक कार्य किया हो । जनगणना 2001 के अनुसार जिला में दीर्घकालिक कर्मियों की संख्या 250596 हैं । जिसमें 205777 पुरूष तथा 44819 स्त्रियां है । कुल जनसंख्या में दीर्घकालिक कर्मियों की प्रतिशतता 1991 की 27.94 की तुलना में 2001 में बढ़कर 30.36 प्रतिशत हो गई । कुल पुरूष जनसंख्या में पुरूष दीर्घकालिक कर्मियों की सहभागिता दर 1991 में 50.15 प्रतिशत से घटकर 2001 में 46.52 प्रतिशत रह गई है जबकि स्त्रियों में यह दर 1991 की 2.69 की तुलना में बढ़कर 11.69 प्रतिशत हो गई है ।

24. अल्पकालिक कर्मी

अल्पकालिक कर्मी वे है जिन्होंने वर्ष में 6 माह से कम कार्य किया हो । जनगणना 2001 के अनुसार जिला में अल्पकालिक कर्मियों की संख्या 57796 है । जिसमें 20633 पुरूष तथा 37163 स्त्रियां है । अल्पकालिक कर्मियों की काम में हिस्सेदारी की दर में पुरूष तथा स्त्रियां दोनो में बढोतरी हुई है । यह प्रतिशतता वर्ष 1991 की 0.66 प्रतिशत से बढकर 2001 में 7.00 प्रतिशत हो गई है । कुल जनसंख्या में पुरूष अल्पकालिक कर्मियों की प्रतिशतता में वृद्धि हुई है जो 1991 में 0.10 प्रतिशत से बढकर 2001 में 4.66 प्रतिशत हो गई । इसी प्रकार अल्पकालिक स्त्री कर्मियों की कार्य सहभागिता दर 1991 की 1.30 प्रतिशत की तुलना में 2001 में 9.70 प्रतिशत दर्ज की गई है ।

तालिका:- जिला में कर्मियों एवं गैरकर्मियों की संख्या (2001 जनगणना)

	कुल व्यक्ति	पुरूष	स्त्रियां
कुल कर्मी	308392	226410	81982
दीर्घकलिक कर्मी	250596	205777	44819
अल्पकालिक कर्मी	57796	20633	37163
गैर कर्मी	517062	215918	301144

25. गैर कर्मी

गैर कर्मी की श्रेणी में मुख्य रूप से गृह कार्य, विद्यार्थी, आश्रित, पेंशन भोगी, भिखारी व अन्य आते हैं।जनगणना 2001 में जिला की कुल जनसंख्या में गैरकर्मियों की संख्या 517062 है जिनमें 215918 पुरूष तथा 301144 स्त्रियां हैं। 2001 में गैरकर्मियों की प्रतिशतता में कमी आई है जो 1991 की 71.40 प्रतिशत से घटकर 62.63 प्रतिशत रह गई। यह प्रवृति समाज के लिए लाभप्रद है । पुरूष गैरकर्मियों की प्रतिशतता 1991 की 49.75 से कम हो कर 2001 में 48.81 हो गई है। स्त्री गैरकर्मियों की प्रतिशतता में भी गिरावट आई है जो 1991 की 96.01 प्रतिशत से कम हो कर 2001 में 78.60 रह गई है ।

26. ग्रामीण कर्मी

जनगणना 2001 के अनुसार कुल ग्रामीण कर्मी 243748 है जिसमें 171666 पुरूष तथा 72082 स्त्रियां हैं। 1991 की तुलना में जनगणना 2001 में ग्रामीण कार्य सहभागिता दर में वृद्धि दर्ज की गई है जो 29.00 से बढकर 39.96 प्रतिशत हो गई है। ग्रामीण पुरूषो व स्त्रियों की कार्य सहभागिता दर 1991 में क्रमशः 51.24 व 3.80 प्रतिशत से बढ़कर 52.70 व 25.36 प्रतिशत हो गई। जनगणना 2001 के अनुसार जिला की तीन तहसीलों शाहबाद, पेहोवा तथा थानेसर में कुल जनसंख्या में कर्मियों की प्रतिशतता क्रमशः 35.44, 40.80 तथा 41.08 हैं।

तालिकाः- जिला में ग्रामीण व नगरीय कर्मियों एवं गैरकर्मियों की संख्या

	कुल कर्मी			ग्रामीण कर्मी			नगरीय कर्मी		
	व्यक्ति	पुरूष	स्त्रियां	व्यक्ति	पुरूष	स्त्रियां	व्यक्ति	पुरूष	स्त्रियां
दीर्घकालिक कर्मी	250596	205777	44819	191629	154032	37597	58967	51745	7222
अल्पकालिक कर्मी	57796	20633	37163	52119	17634	34485	5677	2999	2678
कुल कर्मी	308392	226410	81982	243748	171666	72082	64644	54744	9900
गैर कर्मी	517062	215918	301144	366195	154060	212135	150867	61858	89009

27. दीर्घकालिक ग्रामीण कर्मी

जनगणना 2001 में कुल ग्रामीण कर्मियों में 191629 दीर्घकालिक कर्मी है जिसमें 154032 पुरूष तथा 37597 स्त्रियां हैं । दीर्घकालिक ग्रामीण कर्मियों की कार्य सहभागिता दर 1991 की 28.16 प्रतिशत से 2001 में 31.41 प्रतिशत हो गई है । ग्रामीण पुरूषो की दीर्घकालिक कार्य में भागीदारी दर में गिरावट दर्ज की गई जो 1991 की 51.12 प्रतिशत से कम हो कर 47.28 पर पंहुच गई है । स्त्रियों की ग्रामीण क्षेत्रों में दीर्घकालिक कार्य की भागीदारी दर 2.15 प्रतिशत से बढकर 13.22 प्रतिशत हो गई है । 2001 में तहसील शाहबाद, पेहोवा तथा थानेसर में दीर्घकालिक ग्रामीण कर्मी क्रमशः 26.88, 30.79 तथा 33.21 प्रतिशत हैं।

28. अल्पकालिक ग्रामीण कर्मी

जनगणना 2001 में ग्रामीण क्षेत्र में अल्पकालिक कर्मियों की संख्या 52119 है जिसमें 17634 पुरूष तथा 34485 स्त्रियां है। अल्पकालिक ग्रामीण कर्मियों की कार्य सहभागिता दर 1991 की 0.84 से बढकर 2001 में 8.54 प्रतिशत हो गई। ग्रामीण क्षेत्र में अल्पकालिक कर्मियों में दोनो स्त्री व पुरूषो की कार्य सहभागिता दर में आश्चर्यजनक वृद्धि हुई है। 2001 में ग्रामीण क्षेत्र में अल्पकालिक कार्य की भागीदारी दर में पुरूष कर्मियों ने 1991 के 0.12 प्रतिशत से 5.41 प्रतिशत बढोतरी दर्ज की जबकि स्त्रियों की भागीदारी दर 1.65 से बढ़कर 2001 में 12.13 प्रतिशत तक पहुचं गई। जनगणना 2001 के अनुसार तहसील स्तर पर अल्पकालिक कर्मियों की प्रतिशतता तहसील शाहबाद, पेहोवा तथा थानेसर में क्रमशः 8.56,10.02 व 7.88 है ।

29. ग्रामीण गैर-कर्मी

जनगणना 2001 में ग्रामीण क्षेत्र में गैर-कर्मियों की संख्या 366195 है जिसमें 154060 पुरूष तथा 212135 स्त्रियां है । 2001 में गैर-कर्मियों की प्रतिशतता में कमी आई है जो 1991 की 71.00 प्रतिशत से घटकर 60.03 प्रतिशत रह गई । पुरूष गैर-कर्मियों की प्रतिशतता 1991 की 48.76 से कम हो कर 2001 में 47.29 प्रतिशत तथा स्त्री गैर-कर्मियों की प्रतिशतता भी 1991 की 96.20 से कम हो कर 2001 में 74.63 प्रतिशत रह गई है । जनगणना 2001 के अनुसार तहसील शाहबाद, पेहोवा तथा थानेसर में कुल जनसंख्या का क्रमशः 64.55, 59.19 तथा 58.91 प्रतिशत गैर-कर्मियों का है ।

तालिका:-जिला में कुल कर्मियों की संख्या ' तहसील व नगर अनुसार'

तहसील/नगर	ग्रामीण कर्मी			नगरीय कर्मी		
	कुल व्यक्ति	पुरूष	स्त्रियां	कुल व्यक्ति	पुरूष	स्त्रियां
थानेसर	140574	96408	44166	35668	29777	5891
शाहबाद	40290	31366	8924	11563	9888	1675
पेहोवा	62884	43892	18992	10449	9036	1413
लाडवा	-	-	-	6964	6043	921
कुल	243748	171666	72082	64644	54744	9900

30. नगरीय कर्मी

जनगणना 2001 के अनुसार कुल नगरीय कर्मी 64644 हैं जिसमें 54744 पुरूष तथा 9900 स्त्रियां है । अतः जनगणना 2001 में नगरीय कार्य सहभागिता दर में 1991 की तुलना में महत्वपूर्ण बढो़तरी दर्ज की गई है जो 1991 के 27.29 प्रतिशत से बढ़कर 2001में 29.99 प्रतिशत हो गई है । पुरूष कार्य सहभागिता दर 46.96 प्रतिशत से घटकर 46.94 तथा स्त्री कार्य सहभागिता दर 4.62 प्रतिशत से बढकर 10.00 प्रतिशत हो गई है । 2001 में जिला के चार नगरों शाहबाद, पेहोवा, थानेसर व लाडवा में कुल जनसंख्या में कर्मियों की प्रतिशतता क्रमशः 31.00, 31.13, 29.15 तथा 31.17 है ।

31. दीर्घकालिक नगरीय कर्मी

कुल नगरीय कर्मियों में 58967 दीर्घकालिक कर्मी है जिसमें 51745 पुरूष तथा 7222 स्त्रियां है । दीर्घकालिक नगरीय कर्मियों की कार्य सहभागिता दर 1991 की 27.24 प्रतिशत से बढकर 2001 में 27.36 प्रतिशत हो गई है जबकि पुरूष कार्य सहभागिता दर जो 1991 में 46.93 प्रतिशत थी कम हो कर 2001 में 44.37 प्रतिशत रह गई है परन्तु स्त्रियों की कार्य सहभागिता दर में सुधार हुआ है जो 1991 के 4.54 प्रतिशत से 2001 में 7.30 प्रतिशत दर्ज की गई है ।

2001 में चार नगरों शाहबाद, पेहोवा, थानेसर व लाडवा में दीर्धकालिक कर्मियों की प्रतिशतता क्रमशः 28.81, 27.91, 26.49 व 28.82 प्रतिशत है ।

32. अल्पकालिक नगरीय कर्मी

2001 में जिला के चार नगरों में 5677 अल्पकालिक कर्मी दर्ज किए गए जिसमें 2999 पुरूष तथा 2678 स्त्रियां है। नगरीय अल्पकालिक कर्मियों की कार्य सहभागिता दर 1991 की 0.05 प्रतिशत से बढकर 2001 में 2.63 प्रतिशत हो गई । पुरूषो की कार्य सहभागिता दर जो 1991 में 0.03 प्रतिशत थी 2001 में बढकर 2.57 प्रतिशत हो गई है । स्त्रियों की कार्य सहभागिता दर भी जो 1991 में केवल 0.08 प्रतिशत थी 2001 में 2.70 प्रतिशत दर्ज की गई है। 2001 में चार नगरों शाहबाद, पेहोवा, थानेसर व लाडवा में अल्पकालिक कर्मियों की प्रतिशतता क्रमशः 2.19, 3.21, 2.66 व 2.34 प्रतिशत है।

33. नगरीय गैर कर्मी

जनगणना 2001 में नगरीय गैर कर्मियों की संख्या 150867 है जिसमें 61858 पुरूष तथा 89009 स्त्रियां है। 2001 में नगरीय गैर कर्मियों की प्रतिशतता में कमी आई है जो 1991 की 72.71 प्रतिशत से कम हो कर 2001 में 70.00 प्रतिशत रह गई है। पुरूष गैर कर्मियों की प्रतिशतता 1991 की 53.04 प्रतिशत से कम हो कर 2001 में 53.05 प्रतिशत हो गई है । स्त्री गैरकर्मियों की प्रतिशतता में भी कमी आई है जो 1991 की 95.38 प्रतिशत से कम हो कर 2001 में 89.99 प्रतिशत हो गई है। 2001 में चार नगरों शाहबाद, पेहोवा, थानेसर व लाडवा में गैरकर्मियों की प्रतिशतता क्रमशः 68.99, 68.86, 70.84 व 68.82 प्रतिशत है ।

34. कृषक

जनगणना 2001 में जिला के कुल कर्मियों का 23.70 प्रतिशत कृषक हैं । काश्तकारी में स्त्री तथा पुरूष कर्मियों की सहभागिता दर क्रमशः 11.48 तथा 28.12 प्रतिशत है । कुल ग्रामीण व शहरी कर्मियों का क्रमशः 29.17 तथा 3.06 प्रतिशत कृषक कर्मी है । ग्रामीण क्षेत्र में कृषक कार्य सहभागिता दर जिला की तीन तहसीलों शाहबाद, पेहोवा व थानेसर में क्रमशः 26.05, 34.41 तथा 27.72 प्रतिशत है । राज्य की कुल 67 तहसीलों में काश्तकार श्रेणी में निम्नतम कार्य सहभागिता दर की 10 तहसीलों में जिला कुरूक्षेत्र की 3 में से 2 तहसीलें थानेसर 59 वें क्रम तथा शाहबाद 62वें क्रम पर आती हैं ।नगरीय क्षेत्रों में

काश्तकारों की कार्य सहभागिता दर जिला के चार नगरों शाहबाद, पेहोवा, थानेसर व लाडवा में क्रमशः 2.59, 4.87, 2.70 तथा 2.99 प्रतिशत दर्ज की गई है ।

तालिका:-जिला में कुल कर्मियों की संख्या 'चार मुख्य श्रेणी अनुसार'

	कुल कर्मी		ग्रामीण कर्मी		नगरीय कर्मी	
वर्गीकरण	पुरूष	स्त्रियां	पुरूष	स्त्रियां	पुरूष	स्त्रियां
कृषक	63669	9414	61930	9173	1739	241
खेतीहर मजदूर	46296	23815	44995	23257	1301	558
पारिवारिक उद्योग	3919	2488	2664	1908	1255	580
अन्य कर्मी	112526	46265	62077	37744	50449	8521
कुल कर्मी	226410	81982	171666	72082	54744	9900

35. खेतीहर मजदूर

जनगणना 2001 में जिला की कुल कर्मी जनसंख्या में 22.73 प्रतिशत खेतीहर मजदूर दर्ज किए गए जो राज्य के औसत 15.28 प्रतिशत से अधिक है । खेतीहर मजदूर में स्त्री तथा पुरूषो की कार्य सहभागिता दर क्रमशः 29.05 तथा 20.45 प्रतिशत है । ग्रामीण क्षेत्र में खेतीहर मजदूर की शाहबाद, पेहोवा व थानेसर तहसील में प्रतिशतता क्रमश:32.20, 27.48 तथा 27.03 है । खेतीहर मजदूरों की श्रेणी में राज्य की 67 तहसीलों में जिन 10 तहसीलों में सर्वश्रेष्ठ कार्य सहभागिता दर दर्ज की गई है उनमें जिला कुरूक्षेत्र की 3 में से 2 तहसीलें शाहबाद व पेहोवा क्रमशः चौथे व नवें कम पर आती हैं । नगरीय क्षेत्र में जिला के चार नगरों शाहबाद, पेहोवा, थानेसर व लाडवा में यह प्रतिशतता क्रमशः 4.78, 2.40, 2.44 तथा 2.65 है।

तालिका:-जिला में ग्रामीण कर्मियों-गैरकर्मियों की संख्या 'चार मुख्य श्रेणी अनुसार'

	कर्मी					गैर-कर्मी
तहसील	कृषक	खेतीहर मजदूर	पारिवारिक उद्योग	अन्य कर्मी	कुल कर्मी	
थानेसर	38966	38001	2331	61276	140574	201582
शाहबाद	10497	12973	1152	15668	40290	73388
पेहोवा	21640	17278	1089	22877	62884	91225
कुल जोड	71103	68252	4572	99821	243748	366195

36. पारिवारिक उद्योग

जनगणना 2001 में जिला की कुल कर्मी जनसंख्या का 2.08 प्रतिशत पारिवारिक उद्योग की श्रेणी में आते हैं । स्त्री तथा पुरूषो की कार्य सहभागिता दर क्रमशः 3.03 तथा 1.73 प्रतिशत है । कुल ग्रामीण तथा शहरी कर्मियों का क्रमशः 1.88 तथा 2.84 प्रतिशत पारिवारिक उद्योग में है । पारिवारिक उद्योग में ग्रामीण जनसंख्या की कार्य सहभागिता

दर जिला की तीन तहसीलों शाहबाद, पेहोवा व थानेसर में क्रमशः 2.86, 1.73 व 1.66 प्रतिशत है । नगरीय क्षेत्र में पारिवारिक उद्योग में कार्य सहभागिता दर जिला के चार नगरों शाहबाद, पेहोवा, थानेसर व लाडवा में क्रमशः 3.38, 2.43, 2.78 व 2.86 प्रतिशत है ।

तालिकाः-जिला में नगरीय कर्मियों-गैरकर्मियों की संख्या 'चार मुख्य श्रेणी अनुसार'

	कर्मी					गैर-कर्मी
नगर	कृषक	खेतीहर मजदूर	पारिवारिक उद्योग	अन्य कर्मी	कुल कर्मी	
थानेसर	964	870	991	32843	35668	86651
शाहबाद	299	553	391	10320	11563	25726
पेहोवा	509	251	254	9435	10449	23115
लाडवा	208	185	199	6372	6964	15375
कुल जोड	1980	1859	1835	58970	64644	150867

37. अन्य कर्मी

अन्य कर्मियों की श्रेणी के अन्तर्गत सभी कर्मचारी कारखाने में काम करने वाले पारिवारिक उद्योग को छोड कर, बागान कर्मचारी, जंगलात, व्यापार और वाणिज्य, व्यवसाय, परिवहन, बैकिंग, खनन, उत्खनन तथा निर्माण के कार्यो में कार्यरत व्यक्ति आते हैं ।

जनगणना 2001 में जिला कुरूक्षेत्र की कुल जनसंख्या का 51.49 प्रतिशत अन्य कर्मी की श्रेणी में आते हैं । इसमें स्त्री तथा पुरूषो की कार्य सहभागिता दर क्रमशः 56.43 तथा 49.70 प्रतिशत है । कुल ग्रामीण तथा नगरीय कर्मियों का क्रमशः 40.95 तथा 91.22 प्रतिशत अन्य कर्मी की श्रेणी में आते हैं । अन्य कर्मियों में ग्रामीण कार्य सहभागिता दर जिला की तीन तहसीलों शाहबाद, पेहोवा व थानेसर में क्रमशः 38.89, 36.38 तथा 43.58 प्रतिशत है । नगरीय क्षेत्र में अन्य कर्मियों की सहभागिता दर जिला के चार नगरों शाहबाद, पेहोवा, थानेसर व लाडवा में क्रमशः 89.25, 90.29, 92.08 व 91.50 प्रतिशत है ।

वन

38. वनों के अधीन क्षेत्रफल

वन विभाग के अनुसार जिले में वर्ष 2009-10 में लगभग 45 वर्ग कि0मी0 क्षेत्र वनों के अधीन था जो कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 2.94 प्रतिशत है। इस समय जिला में 18 वर्ग कि0मी0 आरक्षित राज्यवन क्षेत्र तथा 27 वर्ग कि0मी0 संरक्षित राज्य वन क्षेत्र में आता है।

कृषि

39. भूमि का प्रयोग

वर्ष 2008-09 में गांव पत्रों के अनुसार जिला कुरुक्षेत्र का कुल क्षेत्र 168 हजार हैक्टेयर है। जिसमें से वनों, चराहगाह, गैर कृषि प्रयोजनो इत्यादि में 10.12 प्रतिशत तथा 89. 88 प्रतिशत निवल बोये गये क्षेत्र के अधीन रहा।

40. वर्ष 2008-09 में कृषि योग्य भूमि 151 हजार है0 है, जबकि निवल बोया गया क्षेत्र 150 हजार है0 है जो कृषि योग्य भूमि का 99.34 प्रतिशत है। एक बार से अधिक बोया गया क्षेत्र 124 हजार है0 है जो निवल बोये गये क्षेत्र का 82.67 प्रतिशत है। वर्ष 2008-09 में जिला कुरुक्षेत्र में कुल बोया गया क्षेत्र 274 हजार है0 रहा।

41. तहसील थानेसर, शाहबाद व पेहोवा में निवल बोया गया क्षेत्र क्रमश: 78 हजार, 18 हजार तथा 54 हजार है0 है जो कुल निविल क्षेत्र का क्रमश: 52.00, 12.00 और 36.00 प्रतिशत है।

42. कृषि जोतें

कृषि गणना 2000-01 के अनुसार जिला कुरुक्षेत्र में कुल 59599 कृषि जोते कार्यरत थी। इन 59599 जोतों में से 63.75 प्रतिशत जोतें 2 है0 से कम की, 25.24 प्रतिशत 2 से 5 है0 से कम, 8.32 प्रतिशत 5 से 10 है0 से कम, 2.31 प्रतिशत 10 से 20 है0 से कम व 0.38 प्रतिशत 20 है0 तथा उससे उपर की थी।

43. जिला कुरुक्षेत्र की रबी की मुख्य फसले गेहूँ, जौ तथा खरीफ की मुख्य फसलें धान तथा मक्की हैं । वर्ष 2008-09 में कुल बोये गये क्षेत्र में से 121.5 हजार है0, '44.34' प्रतिशत धान के अधीन रहा तथा '42.00' प्रतिशत, 115.1 हजार हैक्टेयर गेहूँ के अधीन रहा जबकि वर्ष 2007-08 में कुल बोये गये क्षेत्र का 40.99 प्रतिशत गेहूँ एवं 41.79 प्रतिशत

धान के अधीन था। इसी प्रकार गन्ने का क्षेत्रफल वर्ष 2008-09 में 4.12 प्रतिशत, तेल बीज सूरजमुखी सहित 2.12 प्रतिशत था ।

44. मुख्य फसलों का उत्पादन

फसलों के अधिक उत्पादन में प्राकृतिक साधनों जैसे वर्षा, जलवायु तथा भूमि उपजाऊ शक्ति का मुख्य योगदान रहा है । जिले की मुख्य फसले गेहूँ तथा धान हैं।

45. वर्ष 2008-09 में गेहूँ का उत्पादन 504.0 हजार टन, चावल का उत्पादन 408.0 हजार टन था तथा गुड का उत्पादन 68.8 हजार टन था, तथा चावल की औसत उपज 3345 कि0ग्रा0, गेहूँ की 4382 कि0ग्रा0 एवं गुड की 6258 कि0ग्रा0 प्रति है0 रही।

तालिका:- मुख्य फसलों की औसत उपज किलो ग्राम प्रति हैक्टेयर

फसल	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
गेहूं	4572	4641	4462	4330	4025	4064	4582	4672	4772	4382
चावल	3172	3187	3310	3465	3107	3835	3752	4038	4001	3345
गुड	6516	6525	6566	6749	6818	7582	7603	6894	6962	6258

46. अधिक उपजाऊ किस्में

जिला कुरुक्षेत्र में गेहूँ तथा धान की अधिक उपजाऊ किस्मों के बीजो का प्रयोग हो रहा है। वर्ष 2008-09 में गेहूँ के अधीन 98.2 प्रतिशत क्षेत्र जबकि धान के अधीन 74.1 प्रतिशत क्षेत्र में अधिक उपजाऊ बीजों का प्रयोग हो रहा है।

47. वर्ष 2009-10 में जिला कुरुक्षेत्र में 510 हजार टन गेहूं तथा 783 हजार टन धान की सरकारी एर्जेन्सियों द्वारा खरीद की गई ।

48. रासायनिक खाद का वितरण

वर्ष 2009-10 में कुल खाद का उपयोग 101197 टन रहा। उपयोग में नाईट्रोजन 71952 टन तथा फासफोरस 24059 टन रहा जबकि पोटास का उपयोग केवल 5186 टन रहा।

49. पौधों की सुरक्षा के उपाय

वर्ष 2009-10 में 250.0 टन कीटनाशक दवाओं का उपयोग किया गया जो मुख्यत गेहूँ तथा धान की फसलों के अधीन क्षेत्र में किया गया । इसके अतिरिक्त 242.0 टन अन्य प्रकार की दवाईयां 131000 हैक्टेयर फसलों पर उपयोग की गई।

50 कृषि यन्त्र तथा उपकरण

पशु गणना 2003 के अनुसार जिले में उपयोग किए गए कृषि यन्त्र तथा उपकरणों में ट्रैक्टरों की संख्या 18906 थी । कम्बाईन हारवेस्टर की संख्या 2752 थी जिसमें से 445 कम्बाईन हारवेस्टर ट्रैक्टर चालित तथा शेष 2307 स्वयं चालित कम्बाईन हारवेस्टर थे। वर्ष 2009-10 में जिला कुरुक्षेत्र में 13805 ट्रैक्टर कृषि के कार्य में प्रयोगरत रहे ।

51. कृषि उपज बिक्री संग्रहण

वर्ष 2009-10 में कुरुक्षेत्र में कृषि उपज की पूर्ति के लिये 7 मार्किट कमेटियों तथा 13 सबयार्डस द्वारा बिक्री एवं खरीद करवाई गई। जिसमें मुख्य आमद जीरी, गेहूँ, सूरजमुखी तथा आलू की फसल रही। इन सभी मण्डियों में 1695100 टन कुल कृषि उत्पादन की आमद रही जबकि 2008-09 में कुल कृषि उत्पादन की आमद 1453600 टन थी।

52. वर्ष 2009-10 के दौरान इन सभी मण्डियों में गेहूँ की आमद 512200 टन, धान की आमद 1040700 टन, आलू की आमद 36500 टन रही । सरसों, तोरिया तथा तारामीरा की आमद 10400 टन तथा सूरजमुखी की 11900 टन रही ।

तालिकाः- जिला कुरुक्षेत्र में कृषि उत्पादन की आमद ('00' टन में)

	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07	2008-09	2009-10
गेहुं	4750	5120	4977	4664	4185	3961	3694	4648	5122
धान	7076	7000	6836	7462	7468	8061	7745	8466	10407
आलू	285	153	223	485	226	240	244	380	365
सूरजमुखी	53	26	35	78	185	171	157	218	119
सरसों-तोरिया तारामीरा	12	8	6	3	6	21	16	16	104
अन्य	539	517	540	530	369	613	667	808	834
कुल	12715	12824	12617	13222	12439	13067	12523	14536	16951

53. इन मण्डियों में किसानों के रात को ठहरने के लिये किसान विश्राम गृह है तथा इसके अतिरिक्त पीने के पानी, पशुशाला इत्यादि की सुविधायें भी प्रदान की जाती है।

54. जिला कुरुक्षेत्र में वर्ष 2009-10 में सरकारी गोदामो की क्षमता 606000 टन थी।

55. समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम

जिला ग्रामीण विकास एजैन्सी कुरुक्षेत्र के मार्च 1979 से अपनी स्थापना से ही ग्रामीण क्षेत्र में गरीबी के अभिशाप को समाप्त करने के लिये भरसक प्रयास रही है और इस दिशा में इसे न केवल शतप्रतिशत भौतिक एवं आर्थिक लक्ष्य प्राप्त करने का श्रेय है । बल्कि

यह गरीब ग्रामीण परिवारों के आर्थिक स्तर में वास्तविक वृद्धि लाने में सफल रही है । अब इस दिशा में और कारगर रूप से सक्रीय है। एजैन्सी का यह दृढ संकल्प है कि वह जिला कुरुक्षेत्र के हर परिवार को इतनी आर्थिक सहायता प्रदान करवा दे कि वह सदा के लिये गरीबी की रेखा को पार कर लें ।

वर्ष 2009-10 में ग्रामीण विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत 1359 गरीब परिवारों को 414.09 लाख रुपये के ऋण और 137.14 लाख रुपये की अनुदान राशि वितरित की गई । इन लाभान्वित परिवारों में से 777 परिवार अनुसूचित जातियों से सम्बधित हैं । अतः कुल लाभान्वित परिवारों में से 57.17 प्रतिशत अनुसूचित जातियों से सम्बन्धित थे । इन लाभान्वित परिवारों मे 1135 महिलायें थी।

56. भूमि विकास कार्यक्रम

जिला कुरुक्षेत्र में वर्ष 2009-10 के दौरान 3832.5 मि0टन जिप्सम डालकर 1832 एकड़ भूमि का सुधार किया गया। जबकि शुन्य एकड़ भूमि समतल की गई तथा 2838 एकड़ भूमि में खुली/भूमिगत नाली के चैनल के माध्यम से 429 कृषकों द्वारा स्वयं तथा शुन्य एकड़ कृषकों ने लोन लेकर आधुनिक जल प्रबन्ध का प्रावधान किया गया।

सिंचाई

57. सिंचाई के साधन

वर्ष 2008-09 में निवल सिंचित क्षेत्र 150 हजार है0 था जो कि बोये गये निवल क्षेत्र का 100 प्रतिशत था। स्त्रोतानुसार सिंचाई के क्षेत्र में 82 प्रतिशत नलकूपों व अन्य साधनों से तथा 18 प्रतिशत नहरों का योगदान रहा। नलकूपों द्वारा कुल 123 हजार है0 तथा नहरों द्वारा 27 हजार है0 भूमि की सिंचाई की गई।

58. वर्ष 2008-09 में कुल सिंचित क्षेत्र कुल बोए गए क्षेत्र का शतप्रतिशत था तथा निवल सिंचित क्षेत्र निवल बोये गये क्षेत्र का भी 100 प्रतिशत रहा।

59. फसल अनुसार सिंचित क्षेत्र

वर्ष 2008-09 में फसल अनुसार कुल बोया गया क्षेत्र 274 हजार है0 था जो शतप्रतिशत सिंचित था । फसल अनुसार सिंचित क्षेत्र की स्थिति इस प्रकार रही, गेहूँ के अधीन 41.97 प्रतिशत धान के अधीन 44.53 प्रतिशत, गन्ने के अधीन 4.01 प्रतिशत, तेल बीजो एवं अन्य खाद्य अखाद्य फसलों के अधीन 9.49 प्रतिशत रहा।

तालिका:- जिला कुरुक्षेत्र में सिंचित क्षेत्र की स्थिति (000 है0)

	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
गेहूं	106.3	108.9	110	109	112	114	109	110	112	115
धान	111.6	111.8	111	107	112	122	111	109	114	122
गन्ना	17.3	16.0	18	18	15	12	13	15	16	11
मक्की	0.2	-	1	-	-	-	-	-	-	-
तेलबीजं-अन्य फसलें	35.6	25.3	28	29	31	29	38	32	32	26
कुल	271.0	262.0	268	263	270	277	271	266	274	274

60. सिंचाई की सघनता

वर्ष 2008-09 में जिला कुरुक्षेत्र में कुल सिचिंत क्षेत्र 274 हजार हैक्टेयर तथा निविल सिंचित क्षेत्र 150 हजार हैक्टेयर था जिस के अनुसार सिंचाई की सघनता 182.66 प्रतिशत रही।

61. नलकूप/पम्पिंग सैट

वर्ष 2009-10 में कुल नलकूपों तथा पम्पिंग सैटो की संख्या 38311 है। जबकि 2008-09 में नलकूपों तथा पम्पिंग सैटो की संख्या 37554 थी ।

62. बाढ

जिला कुरुक्षेत्र वर्षा के दौरान मारकण्डा तथा घघर नदी में अति बहाव हो जाने से बाढ से प्रभावित हो जाता है, जबकि वर्ष 2009-10 में यह जिला बाढ से प्रभावहीन रहा।

पशुपालन तथा डेरी

63. पशुधन

2007 की पशु गणना अनुसार जिला कुरुक्षेत्र में पशुधन की संख्या 373894 तथा कुकुट संख्या 1438715 थी। 2007 में कुल पशुधन में से 22.17प्रतिशत गाय व बैल, 68.70 प्रतिशत भैंसे, 4.86 प्रतिशत भेड़ बकरी, 0.44 प्रतिशत घोड़े, टट्टू, गधे तथा खच्चर तथा 3.82 प्रतिशत ऊंट, सूअर तथा कुत्ते थे।

64. जिला कुरुक्षेत्र में 2007 की पशु गणना के आधार पर प्रति हजार मनुष्यों के पीछे पशु संख्या 101, भैंसे 311, घोड़े तथा खच्चर 2, भेड़े 16, बकरियां 7 तथा कुकुटादि 1667 थी।

65. पशु चिकित्सा सेवायें

वर्ष 2009-10 में जिला कुरुक्षेत्र में पशु चिकित्सा सेवायें प्रदान करने के लिये 48 पशु चिकित्सालय, 73 पशु चिकित्सा डिस्पैनसरियां, क्षेत्रिय कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र, स्टाकमैन केन्द्र तथा कुक्कुटादि विस्तार केन्द्र व सुअर केन्द्र कार्यरत थे।

66. सभी संस्थाओं द्वारा वर्ष 2009-10 में 206000 पशुओं का ईलाज किया गया, इस वर्ष के दौरान 43000 गाय तथा 65000 भैंसों का कृत्रिम गर्भाधान करवाया गया। जिला कुरुक्षेत्र में सघन पशुधन विकास परियोजना के अन्तर्गत एक मध्यम आकार की परियोजना कार्य कर रही है, जिसके अन्तर्गत वीर्य बैंक है। जिला कुरुक्षेत्र में 2009-10 में 15 विकसित गोशाला थी। वर्ष 2009-10 के दौरान पशुओं को कुल 676 हजार टीके लगाऐ गए। जिसमे हैमोरिजक सैपटिकेमिया के 564 हजार, ब्लैक क्वार्टर के शुन्य, रानीखेत के 3 हजार, फाउल पोक्स के शुन्य हजार, भेड़ पोक्स के 11 हजार, फुट माउथ के 72 हजार, इन्टरोटोक्सिमिया के 11 हजार, पी0पी0आर0 14 हजार तथा अन्य 1 हजार टीके लगाए गए ।

67. डेरी 'दुग्ध उत्पादन'

दुग्ध उत्पादन कृषको के लिये अतिरिक्त आय का एक मुख्य साधन है। 2007 की पशु गणनानुसार कुल पशुधन अर्थात् 373894 में से 112273 दुधारु पशु थे।

68. जिला कुरुक्षेत्र में तीन दुग्ध संयत्र लगे हुए है। जिनमें से एक पेहवा शहर में, एक गाँव मसाना व एक गांव खानपुर कौलियां में स्थित है। इन संयन्त्रों में वर्ष के दौरान दूध, घी इत्यादि का उत्पादन किया गया।

मछली पालन

69. वर्ष 2009-10 में मछली पालन से कुल 875.60 लाख रुपये की प्राप्ति हुई तथा वर्ष के दौरान 202 एंगलिंग लाइसैंस जारी किये गये ।

70. मछली पालन के लिये कुल 425 है0 भूमि को प्रयोग में लाया गया। 2189.00 टन विभिन्न प्रकार की मछली का विपणन हुआ।

विद्युत

71. **विद्युतीकरण 'शहरी/गांव'**

जिला में स्थित सभी शहरों तथा गांव का विद्युतीकरण हो चुका है ।

72. **नलकूप**

वर्ष 2009-10 में कुरुक्षेत्र विद्युत सर्कल में विद्युतिकृत नलकूपों की संख्या 38849 थी जिसमें 38146 कृषि तथा 700 जलपूर्ति तथा सिवरेज , कृषिलिफट के 3, नलकूप थे।

73. **विभिन्न परियोजनाओं में विद्युत का उपयोग**

कुरुक्षेत्र मे वर्ष 2009-10 में 7987.000 कि0मी0 एल0टी0 लाईने, 4980.000 कि0मी0 11 के0वी0 लाइन्ज तथा 19344 ट्रास्फार्मर थे। इस प्रकार जिला कुरुक्षेत्र में संयोजनो की संख्या 202346 है। कुल संयोजनो में 68.86 प्रतिशत घरेलु, 10.88 प्रतिशत वाणिज्य, 1.03 प्रतिशत औद्योगिक, 18.85 प्रतिशत कृषि 0.03 प्रतिशत सार्वजनिक प्रकाश तथा शेष 0.35 प्रतिशत अन्य उपयोगों के लिये थे ।

74. जिला कुरुक्षेत्र में बिजली का उत्पादन नहीं होता। जिला में वर्ष 2009-10 के दौरान 12455.59 लाख कि. वाट बिजली की खपत हुई जिस में 1188.07 लाख किलो वाट घरेलु, 573.42 कि.वाट वाणिज्यिकी, 888.57 औद्यौगिक, 39.61 सार्वजनिक प्रकाश, 240.56 सार्वजनिक जलपूर्ति, 9140.32 कृषि, 24.08 कार्यालय वर्कशाप इत्यादि तथा 360.96 भारी मात्रा में उपयोग करने वाले समायोजनों द्वारा खपत की गई ।

खनिज पदार्थ तथा उद्योग

75. खनिज उत्पादन

जिला कुरुक्षेत्र मे वर्ष 2009-10 में कच्चे पोटाशियम नाइट्रेट से शुन्य रुपये की आय प्राप्त हुई। वर्ष के दौरान जिला में 425540 मि0 टन रेत प्राप्त हुई जिसकी कीमत 28604112 रुपये थी। वर्ष के दौरान जिला में ईंट मिट्टी का उत्पादन हुआ जिसकी कीमत 1395245 रूपये थी। साधारण क्ले का उत्पादन 724387 मि0 टन हुआ जिसकी कीमत 2173162 रूपये थी।

76. लघु उद्योग यूनिट

वर्ष 2009 में जिला कुरुक्षेत्र में कुल 168 रजिस्टर्ड फैक्टरियां कार्यरत रही।

77. वर्ष 2009 तक जिले में कुल 168 फैक्टरियां रजिस्टर्ड थी, जिसमें 116 फैक्टरियां 2एम(i), एक फैक्टरी 2एम(ii) के अधीन तथा 51 फैक्टरियां धारा 85 के अधीन रजिस्टर्ड थी, जिनमें अनुमानित 3908 कार्यकर्ता कार्य कर रहे थे, जो राज्य के कुल फैक्टरियों के कार्यकर्ताओं का 0.53 प्रतिशत है।

78. बडे तथा मध्यम स्तरीय उद्योग यूनिट

जिला कुरुक्षेत्र में निम्नलिखित बडे तथा मध्यम स्तर के उद्योग स्थित है ।

1. हरियाणा मिल्क फूड पेहोवा
2. मारकण्डा वनस्पति मिल लि0, शाहबाद
3. शाहबाद को0 ओपरेटिव शूगर मिल लि0, शाहबाद
4. सैंसन्सा पेपर इन्डस्ट्रीज प्रा0 लि0, पेहोवा
5. राहुल डेयरी एडं एलाइड प्रोडक्ट लि0, मसाना
6. पारुल फूड स्पेशलिटिस प्रा0 लि0, खानपुर कौंलिया
7. मारकण्डेश्वर फूड्स एण्ड एलाईड प्रोडक्ट, खानपुर कौंलिया

सड़क तथा परिवहन

79. सड़कों की लम्बाई

लोक निर्माण विभाग 'भवन तथा सड़के' द्वारा सारा वर्ष सड़को की देखरेख की जाती है। वर्ष 2009-10 मे जिला कुरुक्षेत्र में 1176 कि0मी0 पक्की सड़के थी। वर्ष 2009-10 के दौरान जिला के सभी गांव सड़को से जुड़े हुये है।

80. रेलवे स्टेशन एवं हरियाणा परिवहन बस स्टैण्डों की संख्या

लगभग जिले के सभी गांव पक्की सड़कों से जुडे हुये हैं। वर्ष 2009-10 में जिला कुरुक्षेत्र मे हरियाणा परिवहन, कुरुक्षेत्र द्वारा निर्मित 6 बस स्टैण्ड (कुरुक्षेत्र, थानेसर, पीपली, शाहाबाद, लाडवा, पेहोवा) तथा एक 'ए' लाईट बस क्यु शेल्टर सेवायें प्रदान कर

रहे थे। जिला कुरुक्षेत्र में 10 रेलवे स्टेशन (कुरुक्षेत्र जंक्शन, थानेसर, पबनावा, पिंडारसी, अमीन, डोडाखेड़ी, धीरपुर, डोलामाजरा, शाहाबाद, मोहड़ी) है और रेलवे लाईन की लम्बाई लगभग 62 कि0मी0 है।

81. राज्य परिवहन

जिला कुरुक्षेत्र में हरियाणा राज्य परिवहन का एक डिपो तथा एक सब डिपो है । जिस में 165 बसें जिला के भीतर व राज्य तथा अन्तर्राज्य रुटों पर चलाई जा रही हैं । इन बसों द्वारा वर्ष 2009-10 में 223.89 लाख कि. मी. दूरी तय की गई जिस से 3965.59 लाख रूपये की आय हुई। इन बसों में प्रतिदिन औसत 32810 यात्रियों द्वारा यात्रा की गई।

82. सडक दुर्घटनायें

वर्ष 2009 में 582 दुर्घटनायें घटी जिसमें 582 गाडियां दुर्घटना ग्रस्त हुई । इन दुर्घटनाओं में 244 व्यक्ति मारे गये तथा 502 व्यक्ति घायल हुए ।

संचार

83. डाकघर व तारघर

वर्ष 2009-10 में जिले में 107 डाकघर तथा 1 तारघर कार्य कर रहे थे। प्रति लाख व्यक्ति के पीछे 12 डाकघर कार्य कर रहे थे। इसके अतिरिक्त जनता की सुविधा के लिये 401 लेटरबॉक्स की सेवायें प्रदान की गई।

84. दूरभाष केन्द्र

वर्ष 2009-10 मे जिला कुरुक्षेत्र में 486 सार्वजनिक दूरभाष घर कार्य कर रहे थे जो 48 दूरभाष केन्द्रों से जुड़े हुये है।

श्रम तथा रोजगार

85. औद्योगिक झगड़े

वर्ष 2009 के दौरान जिला कुरुक्षेत्र में 60 औद्योगिक झगड़े रिपोर्ट किए गये जबकि 2008 मे 11 औद्योगिक झगड़े पिछले लम्बित पड़े थे जिसमें से 65 झगड़े निपटाए गए तथा 6 झगड़े लम्बित रह गए । वर्ष के दौरान औद्योगिक संगठन में किसी प्रकार की ताला बन्दी व हडताल नहीं हुई है । जिला में वर्ष 2009 मे श्रमिक संघ अधिनियम, 1926 के अधीन रजिस्टर्ड संघों की संख्या 55 है।

86. रोजगार केन्द्र

जिला कुरुक्षेत्र में 31 मार्च 2010 को 20385 व्यक्ति संगठित क्षेत्र में रोजगार में थे जिनमे से 15490 व्यक्ति सार्वजनिक क्षेत्र में तथा 4895 व्यक्ति निजि क्षेत्र में लगे हुए थे।

87. जिला कुरुक्षेत्र में 2 रोजगार कार्यालय एवं एक व्यवसायिक मार्गदर्शन हेतु सूचना केन्द्र है । इन रोजगार कार्यालयो में वर्ष 2009 के दौरान 9312 व्यक्तियों द्वारा रोजगार हेतु पंजीकरण करवाया गया जिससे कुल पंजीकृत बेरोजगार व्यकितयों की संख्या 38496 हो गई । इन रोजगार केन्द्रो से 6 नियोजको द्वारा सेवाऐं ली गई तथा 149 रिक्त स्थानों की अधिसूचना जारी की गई कुल 17 व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध करवाया गया ।

88. जिला कुरुक्षेत्र में वर्ष 2009 के दौरान 7024 दुकानों में लगभग 2837 कर्मचारी, 433 वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में 2443 कर्मचारी, 237 होटल तथा जलपान गृहों में 648 कर्मचारी कार्यरत रहे।

89. मजदूरी की औसत दैनिक आय

वर्ष 2010 के दौरान जिला कुरुक्षेत्र में कुशल कार्यकत्ताओं जैसे बढ़ई और लौहार की दैनिक मजदूरी 200.00 रुपये थी, हल चलाने वाले कृषि श्रमिक की दैनिक मजदूरी 146.67 रुपये बिजाई के लिए 136.67 रुपये, गोडाई 146.36 रुपये, कटाई के लिए 250.83 रूपये तथा अन्य कृषि सम्बन्धी मजदूरी की दर 130.00 रुपये प्रति दिन रही।

सहकारिता

90. सहकारिता वर्ष 2009-10 में जिला कुरुक्षेत्र में 873 सहकारी समीतियां थी, जिनके सदस्यों की संख्या 496769 थी।

91. वर्ष के दौरान इन सहकारी समीतियों में 36.48 करोड़ रुपये हिस्सा पूंजी, 53.81 करोड रुपये निजि पूंजी थी जबकि कार्यपूंजी 764.83 करोड़ रही। इस प्रकार प्रति व्यक्ति औसत कार्यपूंजी 9265 रुपये थी।

92. प्रति लाख व्यक्तियों पर समीतियों की संख्या 106 थी जबकि प्रति हजार जनसंख्या पर सब प्रकार की समीतियों के सदस्यों की संख्या 602 थी।

93. सभी 873 सहकारी समीतियों एवं बैकों में से एक केन्द्रीय सहकारी बैंक, 34 गैरकृषि ऋण, 1 केन्द्रीय भूमि विकास बैंक, 1 गन्ना पूर्ति, 220 दुग्ध पूर्ति, 31 आवास समितियां, 1 महिला समीतियाँ तथा शेष 584 अन्य प्रकार की समीतियाँ थी।

94. वर्ष 2009-10 में जिला कुरुक्षेत्र में एक ही केन्द्रीय सहकारी बैंक था, जिसकी 36 अन्य शाखाएं थी। इनमें हिस्सा पूंजी 1201.00 लाख रूपये, निजि पूंजी 3540.00 लाख रुपये

जबकि कार्य पूंजी 36878.12 लाख रुपये रही। वर्ष के दौरान इस बैंक द्वारा दिया गया कर्जा 26535.00 लाख रुपये था तथा इसके द्वारा 1.00 लाख रुपये लाभ कमाया गया।

95. वर्ष 2009-10 में जिला मे 1 केन्द्रीय भूमि विकास बैंक था जिसके अर्न्तगत 4 प्राथमिक भूमि विकास बैंक शाखाएं है जिनमे हिस्सा पूंजी 491.37 लाख रुपये, निजी पूंजी 534.41 लाख रुपये जबकि कार्य पूंजी 9473.32 लाख रुपये थी। वर्ष के दौरान इस बैंक द्वारा 1555.27 लाख रुपये का कर्जा दिया गया।

तालिका- जिला कुरुक्षेत्र में केन्द्रीय सहकारी बैंक

	1998-99	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03	2004-05	2006-07	2008-09	2009-10
शाखाओं की संख्या	16	16	17	19	21	19	19	36	36
हिस्सा पूंजी (लाखों में)	580.85	688.69	718.77	833.47	912.62	961.00	1183.00	1184.00	1201.00
निजी पूंजी ”	1121.94	1445.81	1430.89	2038.85	2305.92	2986.00	3310.00	2650.00	3540.00
कार्य पूंजी ”	14247.18	17121.04	19198.51	22574.81	24826.17	28078.00	30755.00	35087.00	36878.12
जमा राशि ”	5533.55	5762.49	6670.54	8983.04	10873.86	13426.00	13611.00	15205.00	17214.78
वर्ष के दौरान दिया गया कर्जा	13829.68	17707.28	19492.26	21631.64	24309.31	38427.00	33313.00	26535.00	26535.00
लाभ ”	92.90	63.13	164.83	311.82	270.86	243.00	14.00	1.00	1.00

बैंक

96. जिला कुरुक्षेत्र में वर्ष 2008-09 में 84 अनुसूचित वाणिज्य बैंक के कार्यालय थे।

97. प्रति बैंक ब्रांच द्वारा 11400 व्यक्तियों को सेवायें प्रदान की गई ।

98. वर्ष 2008-09 मे 2413.00 करोड़ रुपये जिला कुरुक्षेत्र में अनुसूचित वाणिज्यक बैंकों में जमा थे जिसमें से 1644.00 करोड़ रुपये ऋण के रुप में दिये गये, इस प्रकार ऋण व जमा में अनुपात 68.13 था।

99. सबसे अधिक ऋण कृषि एवं उससे सम्बन्धित कार्यो के लिये प्रदान किये गये। प्रति व्यक्ति जमा धनराशि 29232 रुपये थी।

शिक्षा

100. विद्यालय तथा महाविद्यालय

जिला कुरुक्षेत्र में वर्ष 2008-09 के दौरान 561 प्राथमिक, 192 माध्यमिक तथा 201 उच्च तथा वरिष्ठ माध्यमिक मान्यता प्राप्त विद्यालय ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रो में शिक्षा प्रदान कर रहे थे । इन प्राथमिक, माध्यमिक तथा उच्च एवं वरिष्ठ माध्यमिक मान्यता प्राप्त विद्यालयों में क्रमशः1327, 864, 2581 अध्यापक कार्यरत थे। इस प्रकार जिला में इन विद्यालयों मे कुल 4772 अध्यापक कार्यरत थे।

101. वर्ष 2008-09 के दौरान 195150 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे थे। जिनमे से 72558 '37.18' प्रतिशत विद्यार्थी प्राथमिक/पूर्व प्राथमिक विद्यालयों मे, 29697, '15.22' प्रतिशत माध्यमिक विद्यालयों मे तथा शेष 92895, '47.60' प्रतिशत विद्यार्थी उच्च एवं वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण कर रहे थे ।

102. 2008-09 जिला कुरुक्षेत्र में अनुसूचित जाति के कुल 43471 विद्यार्थियों ने मान्यता प्राप्त विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण की जो कुल विद्यार्थियों का 22.27 प्रतिशत है। इन में 7853, '18.07' प्रतिशत विद्यार्थी प्राथमिक/पूर्व प्राथमिक विद्यालयों में 11508, '26.47' प्रतिशत माध्यमिक विद्यालयों मे तथा शेष 24110, '55.46' प्रतिशत विद्यार्थी उच्च व वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण कर रहे थे ।

तालिका - मान्यता प्राप्त विद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या

	कुल विद्यार्थी			अनुसूचित जाति के विद्यार्थी		
	कुल	छात्र	छात्राऐं	कुल	छात्र	छात्राऐं
प्राथमिक	72558	34608	37950	7853	4063	3790
माध्यमिक	29697	14997	14700	11508	5578	5930
उच्च/वरिष्ठ	92895	51100	41795	24110	13085	11025
जोड	195150	100705	94445	43471	22726	20745

103. जिला कुरुक्षेत्र में प्रति अध्यापक विद्यार्थियों का अनुपात लगभग 55 प्राथमिक, 34 माध्यमिक तथा 40 उच्च एवं 33 वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों का था।

104. इसके अतिरिक्त प्राईमरी शिक्षा 2009-10 के लिये समेंकेतिक बाल विकास परियोजना के अन्तर्गत शाहबाद, बबैन, लाडवा, पेहोवा, थानेसर ब्लाक तथा थानेसर (शहरी) में 724 आंगनवाडी केन्द्र कार्यरत थे।

105. जिला कुरुक्षेत्र में वर्ष 2009-10 में 9 कला एवं विज्ञान महाविद्यालय कार्यरत थे । जिन की सूची निम्न प्रकार है ।

1. भगवान परशुराम कालेज, कुरूक्षेत्र ।
2. दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरूक्षेत्र ।
3. डी.ए.वी. कालेज पेहोवा ।
4. मारकण्डा नैशनल कालेज शाहबाद ।
5, आर्य कन्या महाविद्यालय, शाहबाद।
6. इन्दिरा गांधी नैशनल कालेज लाडवा ।
7. राजा देवी गोयल मल्टीपरपज कालेज फार वूमैन, भेंरियां, पेहोवा ।
8. श्री जय राम गर्ल्स कालेज लोहार माजरा ।
9. मनीष पपनेजा मेमोरियल सनातन धर्म गर्ल्ज कालेज ईसमाईलाबाद ।

इन 9 कला एवं विज्ञान महाविद्यालयों में 11991 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे थे जिसमें 1739 विद्यार्थी अनुसूचित जाति से सम्बन्धित थे । इसके अतिरिक्त 2009-10 मे एक कला एवं विज्ञान महाविद्यालय कुरूक्षेत्र विश्वविधालय के प्रांगण मे भी कार्यरत है जिसमें 2310 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे थे जिसमें अनुसूचित जाति से सम्बन्धित 453 छात्र थे।

106. अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम

व्यवसायिक शिक्षा के लिए वर्ष 2009-10 में जिला में 11 इन्जिनियरिंग तथा प्रबन्धन महाविद्यालय, एक आर्युवैदिक चिकित्सा महाविद्यालय, 21 शिक्षा एवं प्रशिक्षण महाविद्यालय भी कार्यरत थे ।

107. उपरोक्त के अतिरिक्त जिला कुरुक्षेत्र में वर्ष 2009-10 में 5 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भी कार्य कर रहे थे जिनमें कुल 527 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे थे। जिन की सूची निम्न प्रकार है ।

1. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, कुरुक्षेत्र
2. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, महिला विंग, कुरुक्षेत्र
3. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, शाहाबाद
4. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, महिला विंग, शाहाबाद
5. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, पेहोवा

108. राष्ट्रीय प्रौद्योगिक संस्थान

राष्ट्रीय प्रौद्योगिक संस्थान कुरुक्षेत्र में वर्ष 2009-10 में स्नातक स्तर के विभिन्न पाठयक्रमों में प्रवेश की क्षमता 3340 रही, जिसमे 425 विद्यार्थी अनुसूचित जाति से सम्बन्धित थे।

109. कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय

जिला कुरुक्षेत्र में वर्ष 1956 में स्थानीय विश्वविद्यालय के स्तर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की स्थापना हुई थी जिससे 1974 में हरियाणा के सभी महाविद्यालय सम्बद्ध कर पूर्ण विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया । वर्ष 1976 में महार्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक की स्थापना के पश्चात जिला भिवानी, गुडगाव, महेंन्द्रगढ, सोनीपत तथा रोहतक के

महाविद्यालय इस विश्वविद्यालय से असम्बद्ध कर दिये गये । वर्ष 2009-10 में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में 11 संकाय जिन में 47 अध्यापन विभाग के अतिरिक्त 411 महाविद्यालय सम्बद्ध थे।

चिकित्सा तथा जन स्वास्थ्य

110. स्वास्थ्य सेवाऐं

जिला कुरुक्षेत्र में राज्य सरकार तथा प्राइवेट संस्थाओं द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रकार की 137 ऐलोपैथी संस्थाओं द्वारा चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गई। इन संस्थाओं मे एक अस्पताल, 21 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जिनमें 18 ग्रामीण क्षेत्र तथा 3 शहरी क्षेत्र मे, 4 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, 4 डिस्पैंसरी तथा 107 उप केन्द्र कार्यरत थे। इसके अतिरिक्त जिला मे 15 आर्युवैदिक एवम एक होम्योपैथिक डिस्पैंसरी भी चिकित्सा सुविधाएं प्रदान कर रही है। जिला मे विशेष चिकित्सा के लिए एक क्षय रोग केन्द्र तथा एक आर्युवैदिक महाविद्यालय में अन्तरंग तथा बाहय् रोगियों को भी चिकित्सा सुविधा प्रदान की जाती है ।

111. वर्ष 2009-10 में सरकारी संस्था द्वारा 492446 रोगियों को चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गई। वर्ष 2009-10 में सरकारी संस्था में 310 बिस्तर उपलब्ध थे । प्रत्येक एक लाख आबादी के लिए 32 रोगी बिस्तर उपलब्ध थे ।

112. वर्ष 2009 में जिले में कुल जन्मों की संख्या 21436 थी जिनमें 6968 ग्रामीण तथा 14468 शहरी क्षेत्र में जन्म हुए । वर्ष 2009 मे मौतों की संख्या 5404 रही जिसकी संख्या ग्रामीण क्षेत्र में 3497 तथा शहरी क्षेत्र में 1907 थी ।

113. परिवार कल्याण प्रोग्राम

वर्ष 2009-10 में जिला कुरुक्षेत्र में 3 परिवार कल्याण केन्द्र कार्यरत थे। वर्ष 2009-10 में नसबन्दी के कुल 2667 केसिज किए गये जिसमें से पुरुषों के 772 तथा महिलाओं के 1895 केस थे। वर्ष के दौरान आई0यु0डी0 प्रयोग करने वाले व्यक्तियों की संख्या 9428 थी।

114. सुरक्षित पेयजल

जिला कुरुक्षेत्र में पेयजल परियोजना के अधीन जिले के सभी गांवो को पेयजल सुविधा प्रदान की जा चुकी है ।

कल्याण विभाग 'अनुसूचित जातियाँ व पिछडे वर्ग'

115 कमजोर वर्ग के कल्याण के लिये विशेष कार्यक्रम जैसे मकान बनाने के लिए ऋण, मैट्रिक के उपर के विद्यार्थियों को छात्रवृति, पुस्तकें एवं लेखन सामग्री खरीदने हेतू बिना ब्याज के ऋण तथा मुफ्त वर्दियों का बांटना सारा वर्ष प्रगति पर रहा।

116. मकान अनुदान योजना

वर्ष 2009-10 में मकान अनुदान योजना अनुसूचित/विमुक्त जाति के अन्तर्गत 373 परिवारों को 74.50 लाख रुपये की राशि का अनुदान दिया गया। इस स्कीम में उन व्यक्तियों को जिनके पास कच्चा मकान हो व 50 वर्ग गज का प्लाट हो उन्हें 50000/-रुपये का अनुदान दिया जाता है तथा 10000/-रुपये मकान मुरम्मत हेतू दिये जाते है।

117. कानूनी सहायता

कानूनी सहायता के अन्तर्गत वर्ष 2009-10 के दौरान सरकार से कोई अनुदान प्राप्त नही हुआ । इस स्कीम में किसी भी अनुसूचित जाति के व्यक्ति का जिसका स्वर्ण जाति के व्यक्ति के साथ न्यायालय में मुकद्मा चल रहा हो उसकी पैरवी हेतू बतौर वकील की फीस अनुदान दिया जाता है ।मुकदमे के लिए 2500/-रूपये तक की वित्तिय सहायता दी जाती है।इससे अधिक राशि उपायुक्त महोदय द्वारा स्वीकृत की जाती है ।

118. पंचायत प्रोत्साहन

जिन ग्राम पंचायतों ने अनूसूचित जाति की भलाई के लिए जैसे नालियां/गलियां पक्की करवाना गलियों मे लाईट लगवाना, अनूसूचित जाति के बच्चों को स्कूल भेजना, एस0सी0 के लोगों को अत्याचार से बचाने का कार्य किया जाता है उसे 50 हजार रूपये का प्रोत्साहन दिया जाता है।वर्ष के दौरान 2 ग्राम पंचायतों को 1.00 लाख रूपये की राशि प्रदान की गई।

119. इन्दिरा गांधी विवाह शगुन योजना

इन्दिरा गांधी विवाह शगुन योजना के अर्न्तगत 103.00 लाख रूपये की राशि 875 व्यक्तियों मे वितरित की गई । **इन्टर कास्ट मैरिज** के लिए 3 परिवारों को 1.50 लाख रुपये प्रोत्साहन राशि के रूप मे दिये गये। **जातिय आधार पर अत्याचार** से पीडित अनुसूचित जाति के 6 व्यक्तियों को 1.56 लाख रूपये का अनुदान दिया गया।इस स्कीम में 15000/-रूपये से 2 लाख रूपये तक अर्थिक सहायता प्रदान की जाती हैं।

120. पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति योजना

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति योजना के अन्तर्गत वर्ष के दौरान अनुसूचित जाति के 239 छात्रों को 56.00 लाख एवं पिछड़ा वर्ग के 1209 छात्रों को 28.47 लाख रुपये की राशि वितरित की गई। डा0 भीम राव अम्बेडकर छात्रवृति योजना के अर्न्तगत 225 छात्रों को 28.49 लाख रूपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। अनुसूचित जाति छात्रा उच्च शिक्षा प्रोत्साहन योजना के अन्तर्गत 11 छात्राओं को 0.95 लाख रुपये का अनुदान दिया गया।

121. वृद्धावस्था एवं अन्य पैंशन

वर्ष 2009–10 में जिला कुरुक्षेत्र में वृद्धावस्था पैंशन के अर्न्तगत 51631 वृद्धों को कुल 3742.84 लाख रुपये, विधवा पैंशन योजना के अर्न्तगत 20639 लाभ पात्रो को 1756.78 लाख रुपये, तथा 7585 विकलांग व्यक्तियों को 527.61 लाख रुपये की राशि तथा लाडली पैंशन योजना के अर्न्तगत 1240 लाभपात्रों को 61.62लाख रूपये पैंशन के रुप में वितरित की गई है।

विविध

122. नगरपालिकाएं

वर्ष 2009–10 के दौरान जिले में स्थित 4 नगरपालिकाओं में 1277.57 लाख रुपये आय हुई एवं 1323.72 लाख रुपये व्यय किए गए ।

123. जिला राजस्व

जिला राजस्व में वर्ष 2009–10 में निम्नलिखित साधनों में राजस्व की प्राप्ति हुई । हरियाणा मुल्य वर्धित कर से 10182.37 लाख रुपये, केन्द्रीय बिक्री कर से 269.97 लाख रुपये, ` की आय हुई । जबकि वर्ष 2008–09 में हरियाणा मुल्य वर्धित कर से 7500.00 लाख रुपये, केन्द्रीय बिक्री कर से 300.00 लाख, मनोरंजन कर से 6.15 लाख रुपये आय प्राप्त हुई।

124. रजिस्ट्रीकरण

वर्ष 2007–08 में जिला कुरुक्षेत्र में रजिस्ट्री कार्यालयो की संख्या 6 थी जिनमें 18715 अनिवार्य अचल सम्पतियां, तथा 2583 चल सम्पतियो की रजिस्ट्री हुई । इन अन्तरित सम्पत्तियों से सरकार को स्टांप डियूटी एवम रजिस्ट्रेशन फीस से 318.54 लाख रूपये की आय हुई ।

125. पुलिस तथा अपराध

जिला कुरुक्षेत्र में वर्ष 2009 में 10 पुलिस स्टेशन (सिटी थानेसर, सदर थानेसर, लाडवा, शाहाबाद, पेहोवा, बाबैन, झांसा, ईस्माईलाबाद, कुरुक्षेत्र युनिवर्सिटी, जी0आर0पी0 कुरुक्षेत्र) तथा 10 पुलिस चौकियां कार्यरत थी। जिले में इस वर्ष के दौरान 2485 अपराध हुए जिनमें से 29 हत्या के, 34 केस लुट के, 213 केस सेंध चोरी, 13 डकैती, 584 साधारण चोरी, 57 हरण, 1 संदोष मानव हत्या तथा 1554 केस विविध अपराधों से सम्बन्धित थे, जबकि वर्ष 2008 में कुल 2414 विभिन्न प्रकार के अपराध हुए ।

126. हरियाणा सरकार के कर्मचारी

जिला कुरुक्षेत्र में 31 मार्च 2009 को हरियाणा सरकार के अधीन कार्यालयों में 13434 कर्मचारी कार्यरत थे जिनमें 9255 पुरुष तथा 4179 महिलाएं थी। जिला में 3154 अनुसूचित जाति के तथा 2213 पिछड़े वर्ग के कर्मचारी थे।

तालिकाः- जिला कुरुक्षेत्र में हरियाणा सरकार के कर्मचारी (31.3.2009)

श्रेणी	कुल		अनुसूचित जाति		पिछड़ा वर्ग	
	पुरुष	स्त्रियां	पुरुष	स्त्रियां	पुरुष	स्त्रियां
वर्ग 1	132	28	25	4	8	5
वर्ग 2	547	201	81	37	55	35
वर्ग 3	5543	1741	957	224	735	244
वर्ग 4	1930	224	648	116	468	38
फुटकर	657	1675	350	574	48	423
वर्कचार्ज	4	0	0	0	0	0
संविदा	442	310	90	48	89	65
कुल	9255	4179	2151	1003	1403	810

127. मनोरंजन

जिला कुरुक्षेत्र का ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व होने के कारण ऐसे बहुत से स्थल हैं जहां पर देश भर से व्यक्ति भ्रमण हेतु आते है। जिला कुरुक्षेत्र में महत्वपूर्ण धार्मिक ऐतिहासिक व दर्शनीय स्थल निम्नप्रकार से है।

1	अरनाय तीर्थ, अरनाय	17	गालव तीर्थ,गुलडेहरा
2	प्राची तीर्थ, पेहवा	18	सप्तसरसवता तीर्थ,मागना
3	सरस्वती तीर्थ, पेहवा	19	ब्रहमा तीर्थ (ब्रहम स्थान)थाना
4	ब्रहम योनि तीर्थ, पेहवा	20	सोम तीर्थ, गुमथलागढु
5	पृथुदक तीर्थ, पेहवा	21	मणीपूरक तीर्थ, मुर्तजापुर
6	शालीहोत्र तीर्थ, सारसा	22	भुरीश्रवा तीर्थ,भौरसायदां
7	भीष्म कुण्ड, नरकातारी	23	लोमष तीर्थ, लोहारमाजरा
8	बाण गंगा, दयालपुर	24	काम्यक तीर्थ,कमौदा
9	कुलोतरण तीर्थ, किरमिच	25	अपगा तीर्थ,मिर्जापुर
10	ब्रहमसरोवर, कुरूक्षेत्र	26	कर्ण का टीला,मिर्जापुर
11	सन्नहित सरोवर, कुरूक्षेत्र	27	नाभि कमल मन्दिर,थानेसर
12	भद्रकाली मन्दिर, कुरूक्षेत्र	28	रणतुकयक्षा बीड़ पिपली
13	अदिति तीर्थ एवं अभिमन्यु का टीला अमीन	29	स्थाणीश्वर महादेव मन्दिर,थानेसर
14	गीता जन्मस्थली, ज्योतिसर	30	ओजस तीर्थ,समसीपुर
15	सोम तीर्थ,सैयना सायदां	31	रेणुका तीर्थ,अरनेचा
16	सुकरा तीर्थ,सतौड़ा	32	दुख:भंजन मन्दिर,कुरूक्षेत्र

33	शेखचिल्ली का मकबरा	38	गुलजारी लाल नन्दा सदाचार स्थल
34	पेनोरमा एवं विज्ञान केन्द	39	ओमप्रकाश जिन्दल पार्क एवं संगीतमय फव्वारा
35	हर्ष का टीला	40	मारकन्डे़श्वर महादेव मन्दिर,शाहबाद
36	बिरला मन्दिर,	41	नौगजा पीर, शाहबाद
37	कल्पना चावला तारा मंड़ल	42	श्रीकृष्णा संग्राहलय

128. टेलीविजन सैट

जिला कुरुक्षेत्र में 31 मार्च 2003 तक सामुदायिक टेलीविजन लगाने की परियोजना के अन्तर्गत 14 टेलीविजन सैट लगाये गए ।

129. बचत

वर्ष 2008-09 में जिला कुरुक्षेत्र में (-446) हजार रुपये के किसान विकास पत्र, (-562) हजार रुपये के मासिक आय योजना, सावधि जमा योजना में (-122) हजार तथा पंच वर्षीय आवर्ती जमा योजना में 707 हजार तथा डाकघर बचत बैंक में 616 हजार रूपये वरिष्ठ नागरिकों की जमा योजनाओं में (-83) हजार रूपये, लोक भविष्य निधि में 1024 हजार रूपये, 6 वर्षीय राष्ट्रीय बचत पत्र में (-232) हजार रूपये तथा इंदिरा विकास पत्र व राष्ट्रीय बचत योजना में (-34) हजार रूपये जमा किये गए। इस प्रकार जिला कुरुक्षेत्र में वर्ष 2008-09 के दौरान विभिन्न बचत खातों में 868 हजार रुपये की निविल राशि जमा की गई ।

130. विकेन्द्रीकरण योजना

जिला कुरुक्षेत्र में विकेन्द्रीकरण योजना, जिला योजना के अन्तर्गत वर्ष 2009-10 के दौरान 1231.00 लाख रुपये की राशि जिला के विभिन्न विकास कार्यो के लिए जारी की गई।

131. खेलकूद

खेल विभाग कुरुक्षेत्र द्वारा द्रोणाचार्य स्टेडियम कुरुक्षेत्र में समय-समय पर विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। खेल विभाग हरियाणा व प्रशासन के सहयोग से 10 एकड़ भूमि में द्रोणाचार्य स्टेडियम का निर्माण किया गया। इसमें एथलेटिक्स का 400 मी0 टरैक, फुटबाल, वालीवाल, कबड्डी, खो-खो तथा लानटेनिस खेलों के मैदानों की सुविधाएं है। जहां प्रशिक्षक प्रतिदिन सुबह-शाम बच्चों को निशुल्क ट्रेनिंग देते है। इस स्टेडियम पर 10.65 लाख रुपये की राशि खर्च हुई। मई, 1989 में 15.17 लाख रुपये से निर्मित हाल का उदघाटन किया गया। यह बैडमिन्टन खेल हेतू प्रयोग हो रहा है।

132. जनवरी, 1991 को 9.25 लाख रुपये की कुल लागत से तैयार योगाभवन का उदघाटन 20 फरवरी को सम्पन्न हुआ। वर्ष 1989 में बास्केटबाल का पक्का मैदान 60 हजार रुपये की लागत से बनाया गया। इसके अतिरिक्त 13 जनवरी, 1990 को तरण ताल के निर्माण का शिल्यान्यास किया गया, जिसके निर्माण पर कुल 21 लाख रुपये खर्च हुए।वर्ष 2006-07 मे शाहबाद मारकण्ड़ा मे 3.19 करोड़ रूपये की लागत से एस्ट्रोटर्फ युक्त

मारकन्डेशवर हाकी स्टेडियम का निर्माण किया गया ।यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर कई खिलाडी राष्ट्रीय टीम मे शामिल किये गये है ।

133. राष्ट्रीय खेल प्राधिकरण प्रशिक्षण केन्द्र

भारत सरकार द्वारा प्रत्येक राज्य में एक खेल प्रशिक्षण केन्द्र चलाया जा रहा है। इस स्कीम के अन्तर्गत एक प्रशिक्षण केन्द्र जिला कुरुक्षेत्र में आरम्भ किया गया था जो वर्ष 1996-97 के दौरान नए भवन में स्थानान्तरित किया गया। इस स्कीम के अन्तर्गत 75 प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न खेलों में प्रशिक्षण देने का प्रावधान है तथा उनके ठहरने, खाने-पीने खेल किट तथा स्वास्थ्य देखभाल का पूरा प्रावधान है। इस समय इस केन्द्र में 45 विद्यार्थी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इन प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षा हेतू विभिन्न शिक्षा संस्थाओं में प्रवेश भी दिलाया जाता है।

134. चुनाव एवं मतदाता

जिला कुरुक्षेत्र में वर्ष 2009 के अनुसार मतदाताओं की कुल संख्या 520085 है जो 4 विधानसभा क्षेत्र क्रमशः शाहबाद, थानेसर, लाडवा व पेहोवा में विभाजित है। लोकसभा हल्का, कुरुक्षेत्र के अन्तर्गत 9 विधानसभा क्षेत्र आते हैं जिसमें से 1 जिला यमुनानगर में रादौर, 4 जिला कुरुक्षेत्र में शाहबाद, थानेसर, लाडवा व पेहोवा तथा 4 जिला कैथल में कैथल, पून्डरी, गुहला व कलायत हैं।

<u>Annexure-I</u>

अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थय केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थय केन्द्र एंव उप केन्द्र :-

कमांक	**अस्पताल**	कमांक	**सामुदायिक स्वास्थय केन्द्र**	कमांक	**प्राथमिक स्वास्थय केन्द्र**	कमांक	**उप केन्द्र (ऐलोपेथी)**
1	लोक नायक जय प्रकाश अस्पताल, थानेसर	1	पेहोवा	1	पेहोवा	1	पेहोवा 1
						2	पेहोवा 2
						3	थाना
						4	गुमथला गढू
						5	बोधनी
						6	भट्ट माजरा
						7	अरनाय
						8	मुर्तजापुर
						9	सन्धौली
						10	रुंआ
						11	सारसा
						12	भोर सैयदां
				2	ठस्का मीरांजी	13	ठस्का मीरांजी
						14	जलबेड़ा
						15	कैन्थला
						16	हरिगढ़ भौरख
				3	सैना सैयदां	17	सैना सैयदां
						18	करहासाहिब
						19	मोहनपुर
						20	बाखली
						21	स्योंसर
						22	सतोडा
						23	मिस्त्री फार्म
						24	रामगढ़ रोड
				4	झांसा	25	झांसा
						26	नलवी
						27	कलसानी
						28	बीबीपुर
						29	सुरखपुर
				5	कलसाना	30	कलसाना
						31	भोकर माजरा
						32	मोहडी
						33	लंडी

						34	रावा
				6	डीग	35	डीग
						36	रतनगढ़
						37	खानपुर जटान
						38	जन्धेड़ी
						39	यारा
						40	लखमड़ी
						41	खरींडवा
				7	ईस्माईलाबाद	42	ईस्माईलाबाद 1
						43	ईस्माईलाबाद 2
						44	चम्मू कलां
						45	अजरावर
				8	ठोल	46	ठोल
						47	शान्ति नगर
						48	बसन्त पुर
						49	तंगोर
		2	लाडवा	9	लाडवा	50	लाडवा
						51	छलौंदी
						52	बन
						53	बनी
						54	बपदी
						55	सौंटी
						56	गादली
						57	बरोट
				10	गुढा	58	गुढा
						59	छपरा
						60	हलालपुर
						61	मेहरा
						62	सुलतानपुर
				11	टाटका	63	टाटका
						64	भगवानपुर
						65	अन्टेड़ी
				12	बबैन	66	बबैन
						67	संघौर
						68	सूरजगढ़
						69	रामसरण माजरा
						70	मंघोली जटां

						71	सुनारियां
		3	शाहाबाद	13	शाहाबाद	72	शाहाबाद
						73	सूडपुर
						74	हरिपुर
						75	चड़ूनी जटान
						76	धन्तौड़ी
		4	मथाना	14	मथाना	77	मथाना
						78	बीड़ मथाना
						79	सिरसमा
				15	खानपुर कौलियां	80	खानपुर कोलियां
						81	मसाना
						82	धीरपुर
						83	बादरपुरा
						84	प्रतापगढ़
				16	धुराला	85	धुराला
						86	सलपानी खुर्द
						87	अजराना खुर्द
						88	भुस्थला
						89	लुखी
						90	सलपानी कलां
				17	बारना	91	बारना
						92	कमोदा
						93	ज्योतिसर
						94	बगथला
						95	पिंडारसी
						96	झिंझरपुर
				18	किरमच	97	किरमच
						98	हतीरा
						99	सुनहरी
						100	मिरजांपुर
				19	अमीन	101	अमीन
						102	फतुपुर
						103	खेड़ी रामनगर
				20	पीपली	104	पीपली
						105	उमरी
						106	रतगल
						107	दबखेड़ी

Annexure-II

पुलिस स्टेशन और पुलिस चौकियों की सूची:-

क्रमांक	**पुलिस स्टेशन**	**क्रमांक**	**पुलिस चौकियां**
1	सिटी थानेसर	1	सैक्टर 7, कुरुक्षेत्र
2	सदर थानेसर	2	कृष्णा गेट, कुरुक्षेत्र
3	कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी	3	सुभाष मण्डी, कुरुक्षेत्र
4	पेहोवा	4	कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी 3 गेट, कुरुक्षेत्र
5	शाहबाद	5	ज्योतिसर, कुरुक्षेत्र
6	लाडवा	6	पेहोवा
7	बबैन	7	गुमथला गड्ढू, पेहोवा
8	झांसा	8	हुडा शाहाबाद
9	ईस्माईलाबाद	9	सिटी शाहाबाद
10	जी0आर0पी0 कुरुक्षेत्र	10	रेलवे सुरक्षा बल, कुरुक्षेत्र

Annexure-III

पशु चिकित्सा अस्पताल एंव डिस्पैन्सरियों की सूचीः-

पशु चिकित्सा अस्पताल					
क्रमांक	अस्पताल	क्रमांक	अस्पताल	क्रमांक	अस्पताल
1	थानेसर	17	प्रलहादपुर	33	हमीदपुर
2	किरमच	18	दबखेड़ा	34	भगवानपुर
3	उमरी	19	धनौरा जटान	35	सुनारियां
4	अमीन	20	गुढा	36	पेहोवा
5	लुखी	21	बकाली	37	ठस्का मीरांजी
6	धुराला	22	शाहाबाद	38	भोर सैयदां
7	खानपुर कोलियां	23	झांसा	39	हरिगढ़ भोरख
8	पिंडारसी	24	चडुनी जटान	40	थाना
9	हसनपुर	25	खरींडवा	41	जखवाला
10	दौलतपुर	26	ठोल	42	गुमथला गढ़ू
11	पीपली	27	ईस्माईलाबाद	43	सन्धौली
12	प्रतापगढ़	28	नलवी	44	अधोया
13	मथाना	29	चनारथल	45	सैना सैयदां
14	हथीरा	30	झरौली खुर्द	46	मोहनपुर
15	लाडवा	31	बबैन	47	सूरमी
16	मेहरा	32	रामसरन माजरा	48	करहा साहिब

Annexure-III-A

पशु चिकित्सा डिस्पैन्सरी					
क्रमांक	डिस्पैन्सरी	क्रमांक	डिस्पैन्सरी	क्रमांक	डिस्पैन्सरी
1	ज्योतिसर	26	बुढा	51	संघौर
2	बहादुरपुरा	27	खरकाली	52	मंगोली जटान
3	मीरजापुर	28	धयांगला	53	बीड कालवा
4	जोगनाखेड़ा	29	हलालपुर	54	बेरथला
5	बारवा	30	लंडी	55	झिवरेड़ी
6	कैन्थल खुर्द	31	डाडलू	56	बटमाजरा
7	पलवल	32	मोहडी	57	जलबेड़ा
8	खेड़ी गादीयां	33	दुनिया माजरा	58	रोहटी
9	फतुपुर	34	भुस्थला	59	सारसा
10	बगथला	35	अजराना कलां	60	मुर्तजापुर
11	उडारसी	36	सलपानी खुर्द	61	लोहारमाजरा
12	मसाना	37	सलपानी कलां	62	मलिकपुर
13	मोरथला	38	मांडी	63	अरनाय
14	कोलापुर	39	तियोड़ा	64	स्योंसर
15	कमौदा	40	खानपुर जटान	65	कलसा
16	बारना	41	यारा	66	बोदनी
17	बचगांव	42	जालखेड़ी	67	गुलडेरा
18	बिहोली	43	डीग	68	रुंआ
19	छारपुरा	44	शान्ति नगर	69	बाखली
20	बीड़ मथाना	45	चम्मु कलां	70	ईस्हाक
21	बोडला	46	सुलखनी	71	कैन्थला
22	सीरसला	47	हरिपुर	72	ककराला
23	खैरी	48	टाटका	73	रामगढ़ रोड
24	छलौंदी	49	लखमड़ी		
25	सलेमपुर	50	महुआखेडी		

Annexure-IV

तकनीकी एंव प्रबन्धन महाविद्यालयों की सूचीः-

क्रमांक	**तकनीकी एंव प्रबन्धन महाविद्यालय**
1	श्री कृष्ण इंजिनियरिंग एंव तकनीकी संस्थान, कुरुक्षेत्र
2	कुरुक्षेत्र तकनीकी एंव प्रबन्धन संस्थान, भोर सैयदां, कुरुक्षेत्र
3	गीता तकनीकी एंव प्रबन्धन संस्थान, कनीपला, कुरुक्षेत्र
4	तकनीकी शिक्षा एंव अनुसंधान संस्थान, कैथल रोड़, कुरुक्षेत्र
5	मॉडर्न इंजिनियरिंग एंव तकनीकी संस्थान, मोहड़ी, कुरुक्षेत्र
6	अर्न्तराष्ट्रीय इंजिनियरिंग एंव तकनीकी संस्थान, समानी, कुरुक्षेत्र
7	सेठ बनारसी दास प्रबन्धन एंव तकनीकी संस्थान, कुरुक्षेत्र
8	द्रोणाचार्य प्रबन्धन एंव तकनीकी संस्थान, डांड रोड़, कुरुक्षेत्र
9	सरदार केवल सिंह प्रबन्धन एंव तकनीकी संस्थान, किरमच, कुरुक्षेत्र
10	श्री मारकण्डेशवर प्रबन्धन संस्थान, लोटनी, कुरुक्षेत्र
11	श्री मारकण्डेशवर कम्पयूटर तकनीकी संस्थान, लोटनी, कुरुक्षेत्र

परिशिष्ठ-3

जिला एक दृष्टि में

चुने हुए सूचकांक

1. जनसंख्या का घनत्व प्रति वर्ग कि0मी0 2001	540
2. दशकीय वृद्धि 1991-2001	
कुल	23.32
शहरी	39.82
ग्रामीण	25.04
3. कुल जनसंख्या पर ग्रामीण जनसंख्या की प्रतिशतता 2001	73.89
4. कुल जनसंख्या पर शहरी जनसंख्या की प्रतिशतता 2001	26.11
5. कुल जनसंख्या पर 0-6 आयु वर्ग की संख्या	14.20
6. कुल जनसंख्या में लिगं अनुपात 2001	866
7. ग्रामीण जनसंख्या में लिगं अनुपात 2001	873
8. शहरी जनसंख्या में लिगं अनुपात 2001	848
9. 0-6 आयु वर्ग की जनसंख्या में लिगं अनुपात 2001	771
10. साक्षरता 2001	
पुरुष	78.06
स्त्रियां	60.61
कुल	69.88
11. कार्यकर्ता प्रतिशत	
कृषक	23.70
खेतीहर मजदूर	22.73
गृह उद्योग	2.07
अन्य कर्मी	51.48
12. सकल सिंचित क्षेत्र की सकल बोये गये क्षेत्र से प्रतिशतता 2008-09	100
13. एक बार से अधिक बोये गये क्षेत्र की निवल बोये गये क्षेत्र से प्रतिशतता 2008-09	82.7
14. गांव के विद्युतिकरण की प्रतिशतता	100
15. स्कूल जाने वाले प्रति 1000 बच्चों पर स्कूलों की संख्या 2004-05	
प्राथमिक	8
माध्यमिक	6
उच्चतर	3
16. प्रति लाख जनसंख्या के पीछे बिस्तरों की संख्या 2009-10	32

17. प्रति पाँच लाख जनसंख्या के पीछे अस्पतालों की संख्या 2009-10	3
18. प्रति बैंक के पीछे व्यक्तियों की संख्या 2008-09	11400
19. प्रति 100 वर्ग कि0मी0 क्षेत्र पर पक्की सतही सड़कों की लम्बाई कि0मी0 2009-10	73.66
20. प्रति लाख जनसंख्या के पीछे डाकघरों की संख्या	12
21. प्रति लाख जनसंख्या पर परिवार कल्याण केन्द्रों की संख्या	1
22. वर्ष 2001 की जनगणना के आधार पर जनसंख्या	825454

परिशिष्ठ–4

जिला कुरूक्षेत्र के आधार भूत आंकड़े

		जनगणना 2001 के अनुसार
1	जिला सृजन का दिनांक	23 जनवरी, 1973
2	जिले का भौगोलिक क्षेत्र	1530वर्ग कि0मी0
3	मण्डल	अम्बाला
4	उपमण्डल	2 (थानेसर,पेहोवा)
5	तहसील	3 (थानेसर,पेहोवा,शाहबाद)
6	उप तहसील	3 (लाडवा,बबैन,इस्माईलाबाद)
7	नगर परिषद	1(थानेसर)
8	नगर पालिकाऐं	3 (पेहोवा,शाहबाद, लाडवा)
9	विकास खण्ड्	5(थानेसर पेहोवा,शाहबाद, लाडवा, बबैन)
10	मार्कीट कमेटी	7(थानेसर पेहोवा,शाहबाद, लाडवा, बबैन,इस्माईलाबाद,पिपली)
11	कुल गांव	416
12	आबाद गांव	407
13	ग्राम पंचायत	378
14	थानेसर उपमण्डल	2तहसील(थानेसर,शाहबाद) 2उप तहसील (लाडवा,बबैन)
15	पेहोवा उपमण्डल	1 तहसील(पेहोवा) 1 उप तहसील(इस्माईलाबाद)
16	कानुनगों हल्का	9
17	पटवार हल्का	105

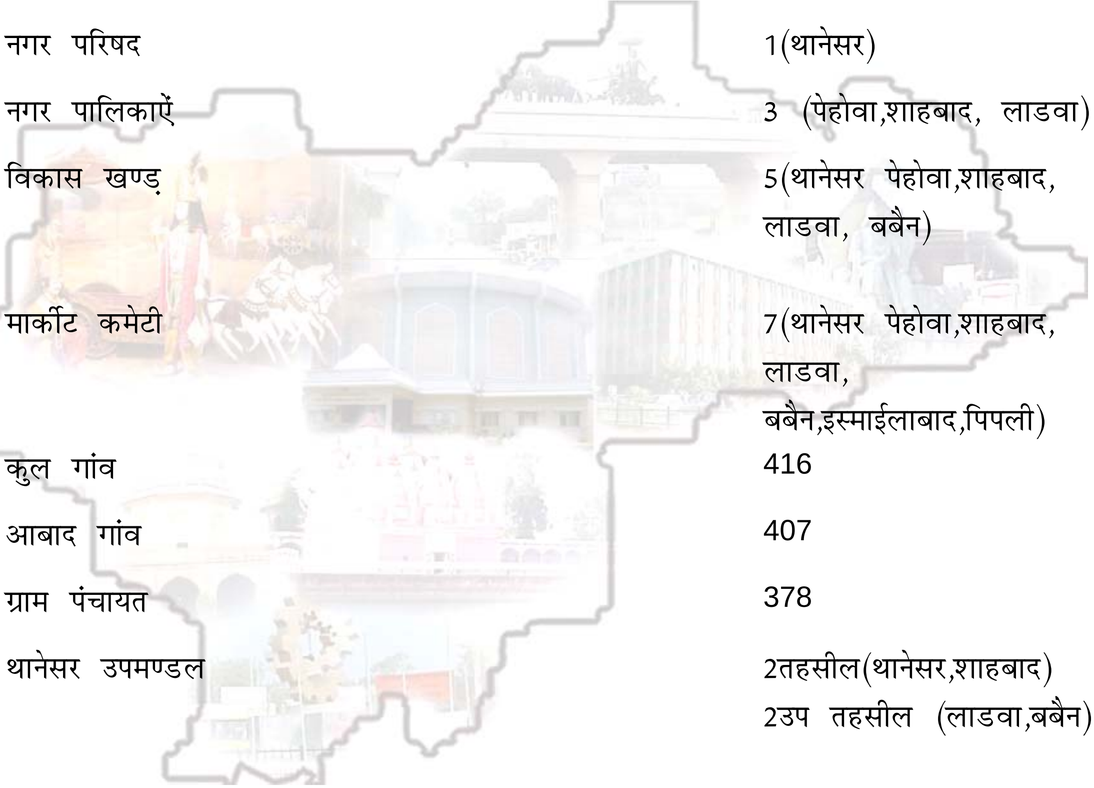

	मद		कुल	ग्रामीण	शहरी
18	क्षेत्र वर्ग कि0मी0		1530.00	1468.80	61.20
19	परिवारों की संख्या		142950	102663	40287
20	दस वर्षीय वृद्वि दर		23.32	18.39	39.82
21	कुल जनसंख्या		825454	609943	215511
		पुरूष	442328	325726	116602
		स्त्री	383126	284217	98909
		लिगांनुपात	866	873	848
22	हरियाणा की कुल जनसंख्या मे प्रतिशतता		3.90	4.06	3.52
23	बच्चों की जनसंख्या (0-6 आयु वर्ग)		117255	90595	26660
		पुरूष	66206	51108	15098
		स्त्री	51049	39487	11562
		लिगांनुपात	771	773	766
24	जिले की जनसंख्या मे बच्चों की जनसंख्या की प्रतिशतता		14.20	14.85	12.37
25	साक्षर जनसंख्या		494873	342169	152704
		पुरूष	293615	205997	87618
		स्त्री	201258	136172	65086
26	साक्षरता दर		69.88	65.88	80.86
		पुरूष	78.06	75.01	86.32
		स्त्री	60.61	55.64	74.51
27	अनुसूचित जाति जनसंख्या		169394	142668	26726
		पुरूष	90196	75941	14255
		स्त्री	79198	66727	12471
		लिगांनुपात	878	879	875
28	जिले की जनसंख्या मे अनुसूचित जाति की प्रतिशतता		20.52	23.39	12.40
29	अनुसूचित जाति के बच्चों की जनसंख्या		28464	24265	4199
		पुरूष	15380	13105	2275
		स्त्री	13084	11160	1924
		लिगांनुपात	851	852	846
30	अनुसूचित जाति जनसंख्या मे बच्चों की प्रतिशतता		16.80	17.01	15.71
31	अनुसूचित जाति साक्षर जनसंख्या		80248	66515	13733
		पुरूष	50064	41617	8447
		स्त्री	30184	24898	5286
		लिगांनुपात	603	598	626
32	अनुसूचित जाति साक्षरता दर		56.94	56.18	60.96
		पुरूष	66.92	66.23	70.51
		स्त्री	45.65	44.81	50.12

	मद	इकाई	
1	**शिक्षा (2008-09)**	संख्या	
	विश्वविद्यालय		1
	कला एवं विज्ञान महाविद्यालय		10
	उच्च/उच्चतर विद्यालय		201
	माध्यमिक विद्यालय		192
	प्राथमिक विद्यालय		561
2	**तकनीकी संस्थाएं (2009-10)**		
	औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान		5
	इन्जिनियरिगं एवं प्रबन्ध महाविद्यालय		11
	चिकित्सा महाविद्यालय (आर्युवैदिक)		1
	अध्यापक प्रशिक्षण महाविद्यालय		21
	जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान		1
3	**चिकित्सा एवं स्वास्थ्य (2009-10)**		
	सामान्य हस्पताल		1
	क्षय रोग केन्द्र		1
	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र		21
	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र		4
	उप केन्द्र		107
	औषद्यालय		4
	आर्युवेदिक औषद्यालय		16
4	**समाज कल्याण (2009-10)**		
	वृद्वावस्था पेंशन		
	लाभार्थी	संख्या	51631
	वितरित राशि	(लाख रूपये में)	3742.84
	विधवा पेंशन		
	लाभार्थी	संख्या	20639
	वितरित राशि	(लाख रूपये में)	1756.78
	विकलागं पेंशन		
	लाभार्थी	संख्या	7585
	वितरित राशि	(लाख रूपये में)	527.61
	लाडली		
	लाभार्थी	संख्या	1240
	वितरित राशि	(लाख रूपये में)	61.62

	मद	इकाई	
5	**कृषि (2008-09)अनन्तिम**		
	कुल क्षेत्र	000हैक्टेयर	168
	कुल बोया क्षेत्र		150
	एक बार से अधिक बोया गया क्षेत्र		124
	कुल फसली क्षेत्र		274
	निवल सिंचित क्षेत्र		150
	कुल सिंचित क्षेत्र		274
	मुख्य फसलें		
	गेहुं		
	क्षेत्र	000हैक्टेयर	115.1
	उत्पादन	000 टन	504
	उपज	कि0 ग्रा0	4382
	धान		
	क्षेत्र	000हैक्टेयर	121.5
	उत्पादन	000 टन	408
	उपज	कि0 ग्रा0	3345
	गन्ना		
	क्षेत्र	000हैक्टेयर	11.3
	उत्पादन	000 टन	68.8
	उपज	कि0 ग्रा0	6258
	उर्वरकों का उपभोग (2009-10)	टन	101197
	ट्रैक्टर (2009-10)	संख्या	13805
	टयूवबैल (2009-10)	संख्या	38311
6	**वन** (2009-10)		
	कुल क्षेत्र	वर्ग कि0मी0	45
	कुल क्षेत्र से प्रतिशतता	%	2.94
7	**पशुपालन** (2009-10)		
	सामान्य पशु हस्पताल	संख्या	48
	सामान्य पशु औषद्यालय		73
	कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र		-
	स्टाक मैन केन्द्र		-
	कुक्कट व सुअर पालन केन्द्र		-
8	**बैंक** (2009-10)		
	केन्द्रीय सहकारी बैंक	संख्या	1
	केन्द्रीय भूमि विकास बैंक		1
	वाणिज्यक बैंक		43
	अन्य बैंक		62

	मद	ईकाई	
9	**बिजली(2009-10)**		
	एल0टी0 लाईन	कि0 मी0	7987.000
	11 के0वी0 लाईन		4980.000
	ट्रास्फार्मर	संख्या	19344
	कुल संयोजन		202346
	घरेलु		139331
	वाणिज्यक		22011
	औद्योगिक		2076
	सार्वजनिक प्रकाश		64
	कृषि		38146
	भारी मात्रा		15
	अन्य		703
	बिजली का उपभोग (2009-10)	लाखकि0वाट	12455.59
	घरेलु		1188.07
	वाणिज्यक		573.42
	औद्योगिक		888.57
	सार्वजनिक प्रकाश		39.61
	कृषि		9140.32
	भारी मात्रा		360.96
	सार्वजनिक जल पूर्ति		240.56
	कार्यालय एवं वर्कशाप		24.08